● वर्ष-4

● अंक-133

रायपुर, मंगलवार
14 जनवरी 2025

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» बिग बॉस में पहले से ही तय होते हैं!

स्पेनिश, जर्मन, रशियन... संगम पर स्नान करने पहुंची दुनिया

संगम पर स्नान करने पहुंची दुनिया, गूंजे हर-हर गंगे

महाकुंभ नगर। महाकुंभ-2025 की शुरुआत सोमवार को पौष पूर्णिमा के साथ हुई, जिसने प्रयागराज के संगम को आस्था, संस्कृति और मानवता के जीवंत केंद्र में बदल दिया इस दौरान महाकुंभ नगर भारत ही नहीं, विश्व की आस्था का केंद्र बन गया है।यहां देश के विभिन्न राज्यों के साथ ही अमेरिका, रूस, जर्मनी, इटली, इक्वाडोर समेत तमाम देशों के लोग सनातन संस्कृति से अभिभूत नजर आए। सभी ने संगम में डुबकी लगाई और माथे पर तिलक लगाकर संगम की रेती पर निकल पड़े।

इस दौरान स्पेनिश, जर्मन, रशियन और फ्रेंच समेत कई विदेशी भाषाओं में %जय श्री राम% और %हर-हर गंगे% के जयकारों से संगम का वातावरण गूंज उठा। महाकुंभ का संगम घाट इस बार दुनिया के लिए बड़ा आकर्षण का केंद्र बन गया है। देश के साथ ही विदेशी श्रद्धालुओं ने भी इसे आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र बताया है।

अमेरिकी सेना का हिस्सा रह चुके माइकल, जो अब बाबा मोक्षपुरी के नाम से जाने जाते हैं, ने जूना अखाड़े से जुड़ने की अपनी यात्रा साझा की। उन्होंने कहा, मैं एक साधारण व्यक्ति था, जिसका अपना परिवार और करियर था। लेकिन मुझे एहसास हुआ कि जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है और मैं मोक्ष की तलाश में निकल पड़ा। मैंने अपना जीवन सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर दिया।

माइकल ने कहा, प्रयागराज में यह मेरा पहला महाकुंभ है। यहां का आध्यात्मिक अहसास असाधारण और बेजोड़ है।

महाकुंभ ने विदेशियों के एक विविध समूह को भी आकर्षित किया है, जिसमें इस धार्मिक आयोजन को फिल्माने वाले दक्षिण कोरियाई यूट्यूबर से लेकर परंपराओं की गहरी समझ हासिल करने की ललक रखने वाले जापानी पर्यटक तक शामिल हैं।

स्पेन की क्रिस्टीना ने इस आयोजन की भव्यता पर विस्मय व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह एक अद्भुत पल है। मैं पहली बार इतने भव्य और अलौकिक आयोजन की गवाह बन रही हूं।एक अन्य विदेशी आगंतुक जूली ने संगम में डुबकी लगाकर एक

अजब-सा आध्यात्मिक सुकून मिलने की बात कही। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, मैं पवित्र जल में डुबकी लगाने का अवसर पाकर कृतज्ञ महसूस कर रही हूं। मुझमें पूर्णता का जो भाव जगा है, उसे मैं शब्दों में नहीं बयां कर सकती।

इटली से आने वाली वेलेरिया ने महाकुंभ के आध्यात्मिक वातावरण को अद्भुत और रोमांचक करार दिया। हालांकि, उन्होंने और उनके पति मिखाइल ने ठंडे मौसम के कारण पवित्र जल में डुबकी नहीं लगाई।

मिखाइल ने मजाकिया लहजे में कहा, मेरी पत्नी ने मुझे धमकी दी कि अगर मैंने संगम में डुबकी लगाई, तो वह मुझे छोड़ देगी, क्योंकि पानी बहुत ठंडा है! दंपति ने कहा कि ठंड कम होने पर वे एक बार फिर महाकुंभ में आने की कोशिश करेंगे।

पहली बार महाकुंभ में पहुंचे ब्राजील के योग साधक शिकू ने 'मोक्ष' की खोज को अपनी यात्रा का मकसद बताया। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का आध्यात्मिक हृदय है और इस बार 144 वर्षों बाद बना ग्रहों का दुर्लभ संयोग महाकुंभ को और भी खास बनाता है। मैं यहां आकर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। जय श्रीराम।

फ्रांसीसी पत्रकार मेलानी में इस आयोजन ने एक अप्रत्याशित रोमांच पैदा किया।मेलोनी ने कहा, जब मैंने भारत की यात्रा की योजना बनाई थी, तब मुझे महाकुंभ के बारे में नहीं पता था। लेकिन एक बार जब मुझे इसके बारे में पता चला, तो मुझे लगा कि मुझे यहां आना ही होगा। साधुओं से मिलना और इस जीवंत मेले को देखना जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव है।रूस से आए मिखाइल और उनके दोस्तों ने संगम घाट पर गंगा स्नान कर %हर-हर गंगे% के जयकारे लगाए। उन्होंने कहा, %%मैंने महाकुंभ के बारे में पढ़ा था, लेकिन यहां आकर इसकी विशालता और दिव्यता को महसूस करना मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत अनुभव है। यह हम सभी के लिए कभी न भूलने वाला क्षण है।%%

इटली से आए पाउलो ने अपने 12 सदस्यीय दल के साथ महाकुंभ में संगम स्नान कर पावन पुण्य कमाया। उन्होंने योगी सरकार की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि दुनिया में इतना बड़ा सांस्कृतिक आयोजन कहीं और संभव नहीं है। यह भारत की महानता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश में यह आयोजन हो रहा है, इसके लिए यहां के शासक (सीएम योगी) भी बधाई के पात्र हैं।

इसी तरह, ऑस्ट्रेलिया से आए एलेक्स ने बताया कि जर्मनी में उनके दोस्तों ने उन्हें महाकुंभ के बारे में बताया था। भारत आकर उन्होंने इस अद्वितीय आयोजन का अनुभव किया और इसे अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया।

महाकुंभ इस बार न केवल भारतीय श्रद्धालुओं के लिए, बल्कि विदेशी पर्यटकों और भक्तों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण बन गया है। विभिन्न देशों से आए श्रद्धालु भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और गंगा के महत्व को समझने और अनुभव करने के लिए उमड़ पड़े। यह आयोजन न केवल भारतीय परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि विश्व एकता और आध्यात्मिकता का संगम भी है। महाकुंभ एक ऐसा आयोजन है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा है।

पीएम मोदी ने किया सोनमर्ग में "-मोड़ टनल का उद्घाटन, बोले—

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और कनेक्टिविटी को मिलेगी नई दिशा

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग इलाके में जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन किया। इस दौरान सोनमर्ग में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं एक बड़ी सौगात लेकर आपके एक सेवक के रूप में आपके बीच आया हूं।

कश्मीर देश का मुकुट है, इसलिए मैं चाहता हूं कि ये ताज और सुंदर और समृद्ध हो। कुछ दिन पहले मुझे जम्मू में आपके अपने रेल डिवीजन का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। ये आपकी बहुत पुरानी डिमांड थी। आज मुझे सोनमर्ग टनल देश को और आपको सौंपने का मौका मिला है। केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद ही 2015 में सोनमर्ग टनल के वास्तविक निर्माण का काम शुरू हुआ था।पीएम मोदी ने आगे कहा, मुझे खुशी है कि इस टनल का काम हमारी ही सरकार में पूरा भी हुआ है। सोनमर्ग सुरंग सर्दियों के दौरान कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी और क्षेत्र में पर्यटन को नए पंख देगा। जल्द ही जम्मू-कश्मीर में कई सड़क और रेल कनेक्टिविटी का काम पूरा हो जाएगा। आप पक्का मानिए, ये मोदी है, वादा करता है, तो निभाता है। हर काम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं। मैं आज की विकास परियोजनाओं के लिए जम्मू-कश्मीर के हर परिवार को हार्दिक बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी बोले, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि दूरियां अब मिट गई हैं, हमें मिलकर सपने देखना चाहिए, संकल्प लेना चाहिए और सफलता हासिल करनी चाहिए। कश्मीर में हालात बदलने का बहुत बड़ा श्रेय यहां की आवाम को जाता है, आप सभी को जाता है। आपने जम्हूरियत को मजबूत किया है।

हस्तशिल्प व संस्कृति लोगों को जोड़ने का माध्यमः चौधरी

रायपुर। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में क्षेत्रीय सरस मेला का समापन हुआ। वहीं आज छत्तीसगढ़ में दान लेन-देन का प्रसिद्ध छेरछेरा पर्व के अवसर पर सरस छेरछेरा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी, रायगढ़ लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया एवं राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। मंत्रीद्वय ने प्रदेषवासियों को छेरछेरा पर्व बधाई एवं शुभकामनाएं दी।मंत्रीद्वय द्वारा इस मौके पर 38.17 करोड़ रूपए लागत की 21 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

प्रमुख समाचार

महायुति को झटका,अजीत अकेले लड़ सकते हैं बीएमसी चुनाव!

नईदिल्ली। अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) आगामी मुंबियाबीएमसी चुनाव अकेले लड़ने की संभावना है। इस बीच, भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के गठबंधन में चुनाव लड़ने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक इस फैसले के दो मुख्य कारण हैं. पहला कारण तो ये है

कि बीएमसी में सिर्फ 227 सीटें हैं. कम सीटें होने के कारण बीजेपी और शिवसेना के लिए एनसीपी (एपी) को गठबंधन में शामिल करना मुश्किल हो रहा है। दूसरे, एनसीपी (एपी) का मुंबई में बहुत कम समर्थन आधार है। और अगर वह गठबंधन में चुनाव लड़ती है तो उसे कम सीटें मिलेंगी. चूंकि, पवार मुंबई में अपनी पार्टी का आधार बढ़ाना चाहते हैं, इसलिए उनके अकेले चुनाव लड़ने की संभावना है। इससे पहले महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव अकेले लड़ने की शिवसेना (उबाठा) की घोषणा के कुछ दिनों बाद पार्टी नेता संजय राउत ने कहा कि यदि सहयोगियों के बीच संवाद बंद हो जाए तो कोई भी गठबंधन सफल नहीं हो सकता। राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा कि सहयोगियों के बीच संवाद बनाये रखने के लिए ''जिम्मेदार नेताओं'' की नियुक्ति की जरूरत है।

जस्टिस के. विनोद चंद्रन की नियुक्ति को केंद्र ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी.कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद, पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्णन विनोद चंद्रन को भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करते हैं. 7 जनवरी को भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति चंद्रन को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की. एक सप्ताह के भीतर, केंद्र सरकार ने न्यायमूर्ति चंद्रन को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत करने की मंजूरी दे दी. कॉलेजियम ने एक बयान में कहा कि 7 जनवरी, 2025 को हुई अपनी बैठक में कॉलेजियम ने सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्ति के लिए पात्र उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ अवर न्यायाधीशों के नामों पर विचार-विमर्श किया.

पीएम मोदी और केजरीवाल में कोई अंतर नहीं: राहुल गांधी

नईदिल्ली। राहुल गांधी ने दिल्ली के सीलमपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने संविधान की रक्षा की प्रतिबद्धता जताई और बीजेपी पर नफरत फैलाने का आरोप लगाया. अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्होंने अडानी और जाति जनगणना के मुद्दे उठाए.दिल्ली विधानसभा

चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस नेता राहुल गांधी सीलमपुर पहुंचे हैं. यह मुस्लिम बहुल मतदाताओं वाली सीट है. कांग्रेस नेता ने यहां अपने संबोधन में कहा कि नफरत को मुहब्बत से हराएंगे. राहुल गांधी ने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, हम इस संविधान की रक्षा करेंगे. बीजेपी के लोग आरएसएस के लोग इस संविधान को खत्म करने पर लगे हैं. कांग्रेस नेता ने कहा कि 150 अमीर लोग देश चला रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी और अरविंद केजरीवाल में कोई अंतर नहीं है. कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आगे कहा, ये (बीजेपी) भाई को भाई से लड़वाते हैं. अंबेडकर जी के संविधान पर रोज नरेंद्र मोदी बीजेपी अक्रमण करते हैं. मेरी और कांग्रेस की राजनीति में क्लियरिटी है।

आतिशी ने नामांकन दाखिल करने से पहले निकाली रैली

नईदिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले एक रैली का नेतृत्व किया। अपनी रैली शुरू करने से पहले आतिशी ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया के साथ गिरि नगर स्थित गुरुद्वारा

श्री गुरु गोविंद साहिब में मत्था टेका। इससे पहले दिन में उन्होंने मां काली को समर्पित कालकाजी मंदिर में पूजा-अर्चना की और अपने अभियान के लिए आशीर्वाद मांगा।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आज अपना नामांकन दाखिल करने से पहले मैं कालकाजी मंदिर में मां काली का आशीर्वाद लेने आई हूं। मेरा मानना है कि मां कालका का आशीर्वाद हमेशा मुझ पर, आम आदमी पार्टी पर और कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के लोगों पर बना रहेगा। क्षेत्र में अपने कार्यों के बारे में आतिशी ने कहा, मैंने पिछले पांच वर्षों से अपने विधानसभा क्षेत्र में अथक परिश्रम किया है। कालकाजी के लोग मेरा परिवार हैं, वे मुझे अपनी बेटी और बहन के रूप में देखते हैं। मैं सिर्फ एक प्रतिनिधि नहीं हूं, मैं उनके जीवन का हिस्सा हूं।

पीएम मोदी की तारीफ, कहा-आपने हर वादा निभाया:अब्दुल्ला

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोनमर्ग टनल का उद्घाटन किया है। उद्घाटन के बाद जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी जनता को संबोधन किया।जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग टनल के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर प्रशंसा की।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि आपने अपनी बात रखी और 4 महीने के भीतर चुनाव हुए। आपने जम्मू के लोगों को अपनी सरकार चुनने का मौका दिया। इसका श्रेय आपको, आपकी टीम और चुनाव आयोग को जाता है।उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आपने (प्रधानमंत्री मोदी) अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर में अपने कार्यक्रम के दौरान तीन बहुत महत्वपूर्ण बातें कही थीं। आपने कहा था कि आप दिल की दूरी और दिल्ली से दूरी को खत्म करने पर काम कर रहे हैं और यह वास्तव में आपके काम से साबित होता है, 15 दिन के अंदर जम्मू-कश्मीर में ये आपका दूसरा प्रोग्राम है। इससे पहले आपने जम्मू को रेलवे डिवीजन की सौगात दी।

कलह की छेद से परेशान इंडिया, 18 महीनों में ही बेडगर गठबंधन की नाव

जगदीश यादव

नईदिल्ली। भारत में गठबंधन की सरकार की बात करना कोई नई नहीं है। लेकिन भाजपा के खिलाफ खासकर मोदी सरकार के खिलाफ जिस तरह से गठबंधन की नाव बन रही है। नाव के नदी में जाने से छेद होती दिख रही है। बहरहाल पहले दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप और कांग्रेस के बीच फूट और अब उद्धव ठाकरे द्वारा अकेले बीएमसी चुनाव लड़ने की घोषणा ने इंडिया गठबंधन में बड़ी दरार पैदा कर दी है। गठबंधन से जुड़े चार प्रमुख नेताओं के क्रियाकलापों ने या तो इसके टूटने के या इसे पूरी तरह खत्म हो जाने के संकेत दिए हैं।

वैसे राजनीति के बारे में तय कुछ भी करना कठिन हो सकता है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ़ लोकसभा चुनाव के लिए बनाया गया था। वहीं आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी कुछ ऐसी ही बात कही। हालांकि, कुछ पार्टियों को अभी भी गठबंधन के भविष्य को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतज़ार है। जुलाई 2023 में बेंगलुरु में उक्त गठबंधन की नींव रखी गई थी, जिसमें 26 पार्टियां गठबंधन में शामिल हुई थीं। लोकसभा चुनाव के दौरान, गठबंधन ने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए को चुनौती दी गई थी। नतीजतन, भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने में कामयाब नहीं रही। चुनाव में एनडीए ने 296 सीटें जीतीं, जबकि इंडिया गठबंधन ने 230 सीटें

हासिल कीं। गठबंधन ने इसे अपनी जीत माना। हालांकि, लोकसभा चुनाव के ठीक आठ महीने बाद, गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया है, बस आधिकारिक घोषणा बाकी है। इस विभाजन के लिए राजनीति के जानकार चार प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं।

आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी के मुताबिक, हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद गठबंधन में दरार दिखने लगी थी। कांग्रेस ने अपने अड़ियल रवैये के कारण हरियाणा में एक जीतने लायक चुनाव गंवा दिया, जो गठबंधन के प्रति उसके रवैये तक फैल गया। इससे सहयोगी दल सतर्क हो गए और गठबंधन के भीतर नए नेतृत्व की मांग उठने लगी। हरियाणा चुनाव नतीजों के एक दिन बाद अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। प्रस्तावित 10 सीटों में से दो सीटें कांग्रेस को देने पर सहमति बनी। हालांकि, अखिलेश ने कांग्रेस को सीटें देने से इनकार कर दिया। जबकि, गठबंधन के एक नेता ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अति आत्मविश्वास में आ गई है। लचीला रुख अपनाने के बजाय वह और सख्त होती गई। यह व्यवहार महाराष्ट्र में भी देखने को मिला। पहले कांग्रेस संसद में मुद्दे उठाने से पहले सहयोगी दलों से सलाह लेती थी। लेकिन शीतकालीन सत्र के दौरान यह प्रथा खत्म हो गई और कांग्रेस के नेता स्वतंत्र रूप से काम करने लगे। सपा, तृणमूल और एनसीपी ने उद्योगपति गौतम अडानी जैसे मुद्दों पर कांग्रेस का खुलकर विरोध किया और पार्टी के रुख का समर्थन करने से इनकार कर दिया। देका जाए तो कांग्रेस कथित तौर पर अडानी मुद्दे पर अपने सहयोगियों के समर्थन की कमी से परेशान है, जिसे वह एक बड़ी चिंता मानती है। कांग्रेस को लगता है कि एकता की कमी से उसकी छवि खराब हो रही है और बदले में उसने ऐसे सहयोगियों को प्राथमिकता देना बंद कर दिया है जो ऐसे मुद्दों पर मुखर नहीं हैं।

कांग्रेस की अपने आधार को बढ़ाने की महत्वाकांक्षा ने भी तनाव को बढ़ावा दिया है। पार्टी ने हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ा और महाराष्ट्र में अधिक सीटों के लिए दबाव बनाया, लेकिन दोनों राज्यों में विफल रही। बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को डर है कि 2025 और 2026 में उनके अपने राज्यों में भी इसी तरह की दबाव वाली रणनीति अपनाई जाएगी। छोटी पार्टियों का तर्क है कि उन्हें उन राज्यों में गठबंधन का नेतृत्व करना चाहिए जहां उनके पास महत्वपूर्ण जन समर्थन है, वे एनडीए का उदाहरण देते हैं, जहां आंध्र प्रदेश में टीडीपी और बिहार में नीतीश कुमार की जेडी(यू) आगे है। खैर जो भी हो जुलाई 2023 में अपने गठन के बाद से, इंडिया गठबंधन ने न तो कोई नेता नियुक्त किया है और न ही कोई संयोजक। ममता बनर्जी ने गठबंधन का नेता बनने में रुचि दिखाई, लेकिन कांग्रेस ने कोई भाव ही नहीं दी।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में महिला नक्सली और उसका सहयोगी गिरफ्तार

कांकेर। छत्तीसगढ़ में आठ लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली और उसके सहयोगी को कांकेर जिले से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि नक्सलियों की संभागीय समिति की सदस्य मालती उर्फ राजे (48) और उसे अपने घर में पनाह देने वाले श्यामनाथ उसेंडी को शनिवार को कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने बताया कि राजे के पति को पिछले साल गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने दंपति की गिरफ्तारी को राज्य में नक्सल विरोधी अभियान में महत्वपूर्ण घटनाक्रम बताया।

उन्होंने बताया कि राजे नक्सलियों के उत्तरी बस्तर संभाग के रावघाट क्षेत्र समिति की प्रभारी थी और उस पर आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस को पिछले कुछ दिनों से राज्य की राजधानी रायपुर से करीब 200 किलोमीटर दूर कोयलीबेड़ा क्षेत्र में उसकी गतिविधि के बारे में सूचनाएं मिल रही थीं।

अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान कौडोसाल्हेभाट गांव में राजे की मौजूदगी का पता चला, जहां उसेंडी ने उसे पनाह दी थी। बाद में दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने बताया कि राजे का पति प्रभाकर उर्फ बालमुरी राव 'स्पेशल जोनल कमेटी' रैंक का काडर है। उसे पिछले साल 22 दिसंबर को कांकेर से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि पिछले साल राज्य के

बस्तर क्षेत्र में 925 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। बस्तर क्षेत्र में कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में 13 दिन में छह आईईडी ब्लास्ट आठ डीआरजी जवान समेत 11 की गई जान

बीजापुर। बीजापुर के अलावा सुकमा में बीते 13 दिनों में किए गए आईईडी ब्लास्ट में 11 की जान जा चुकी है। इसमें दो आम आदमी और एक मवेशी शामिल हैं। वहीं, सात लोग घायल भी हुए हैं।

नक्सलियों ने नववर्ष की शुरुआत में ही छह जनवरी को एक बड़ी घटना को अंजाम दिया था। इसमें सर्चिंग से लौट रहे जवानों से भरे वाहन को नक्सलियों ने 50 किलो का आईईडी ब्लास्ट कर उड़ा दिया था। इस घटना में डीआरजी के आठ जवान के साथ ही वाहन चालक की मौके पर ही शहीद हो गये थे। इसके अलावा 10 जनवरी को नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से एक मवेशी की मौत हो गई थी।

11 जनवरी को बीजापुर जिले के महादेवघाट के पास हुए आईईडी ब्लास्ट में एक सीआरपीएफ जवान घायल हो गए थे। 12 जनवरी को भी बीजापुर जिले में नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से दो जवान रामसाय मज्जि व गजेंद्र साहू घायल हो गए। नारायणपुर में भी नक्सलियों के लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए थे।

सुकमा में खेलते खेलते प्रेशर आईईडी की चपेट में आई बच्ची, ब्लास्ट से गंभीर घायल

सुकमा। बस्तर संभाग के सुकमा में सुरक्षाबल के जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए आईईडी बम की चपेट में एक मासूम बच्ची आ गई। बच्ची की हालत गंभीर है। रविवार शाम को ये घटना हुई।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि सुकमा के चिंतलनार थाना क्षेत्र के ग्राम तिम्मापुरम की रहने वाली एक 10 साल की मासूम बच्ची सोढ़ी मल्ले रविवार शाम को खेलते खेलते अचानक नक्सलियों के प्लांट किये गए आईईडी की चपेट में आ गई। बच्ची का पैर आईईडी पर पड़ते ही वह ब्लास्ट हो गया। जिससे मासूम बच्ची बुरी तरह घायल हो गई।

पुलिस ने बताया कि आईईडी ब्लास्ट की आवाज सुनकर परिजन घटना स्थल के लिए दौड़ पड़े। मासूम को खून से लथपथ देखकर परिजनों की हालत खराब हो गई। आसपास के लोगों की मदद से घायल बच्ची को नजदीकी सीआरपीएफ कैम्प पुलनपाड़ पहुंचाया। जहां गंभीर रूप से घायल मासूम का प्राथमिक उपचार किया गया। इसके बाद मासूम बच्ची को सुकमा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

तिम्मापुरम गांव के पास आईईडी ब्लास्ट की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। आसपास सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है।

बस्तर में जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने आईईडी को अपना बड़ा हथियार बनाया है। कच्ची, पक्की सड़क, पगडंडियों पर आईईडी प्लांट कर जवानों और गांव वालों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। रविवार को बीजापुर के जांगला में आईईडी ब्लास्ट में दो जवान घायल हो गए। इससे पहले शनिवार को भी बीजापुर के महादेव घाट में सर्च ऑपरेशन के दौरान सीआरपीएफ जवान का पैर आईईडी पर पड़ गया, जिससे जवान बुरी तरह घायल हो गया। इससे पहले नारायणपुर जिले के कुतुल और कच्चापाल इलाके में भी आईईडी ब्लास्ट से मवेशी घायल हो गए थे।

आईईडी ब्लास्ट में घायल हुए जवानों से मिलने पहुंचे विजय शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में बीती रात आईईडी ब्लास्ट की घटना में 2 एसटीएफ जवान घायल हो गए। घायल जवानों का इलाज रायपुर के जिला अस्पताल में जारी है। वहीं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा आज घायल जवानों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने जवानों से बातचीत कर उनकी स्थिति और घटना की जानकारी जानकारी ली। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री शर्मा ने जवानों का हौसला बढ़ाते हुए उनके जल्द ठीक होने की कामना की। इसकी जानकारी उपमुख्यमंत्री शर्मा ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट करके साझा की है।

उन्होंने लिखा- बीजापुर जिले के जांगला गांव में हुए आईईडी ब्लास्ट में घायल जवान आरक्षक गजेन्द्र शाह मंडावी और आरक्षक रामसू मज्जी का कुशल क्षेम जाना एवं घटना की जानकारी प्राप्त की। घायल जवानों से संवाद कर उनका हौंसला बढ़ाया और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की।

बीजापुर में दबंगों ने दिवंगत मुकेश चंद्राकर के अस्थि कलश को तोड़ा

फिर मैदान में बिखेर दी अस्थियां

बीजापुर। बीजापुर के स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चंद्राकर के शव का अंतिम संस्कार करने के बाद परिजन कलश अस्थि लेने के लिए गए तो देखा कि अस्थि कलश मौके पर नहीं था। कलश को तोड़कर उसी मैदान में फेंक दिया। घटना के बाद इलाके में लोगों का गुस्सा फिर से उजागर हो चुका है। इस मामले की शिकायत बीजापुर एसपी से की गई है।

परिजनों ने बताया कि बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने बीजापुर में करोड़ो की लागत से बन रहे घटिया सड़क निर्माण को लेकर खबर प्रकाशित की थी। इसके बाद ठेकेदार सुरेश चंद्राकर, भाई रितेश चंद्राकर, मुंशी के उसके एक अन्य सहयोगी ने मिलकर ठेकेदार के चट्टनपारा स्थित बाड़े में ले जाकर मुकेश चंद्राकर की बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद शव को सैप्टिक टैंक में छुपा दिया। पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद ठेकेदार के बाड़े में सर्चिंग करने के बाद मुकेश के शव को बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने मामले में चार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इस घटना के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने के बाद अस्थियों को एक घड़े में रखकर उसे मुक्तिधाम के ही पेड़ में डाल से बांध दिया था। सोमवार को जब परिजन अस्थियों को लेने के लिए पहुंचे तो देखा कि दिवंगत पत्रकार मुकेश चंद्राकर की अस्थियों के साथ छेड़छाड़ की गई थी। निर्धारित स्थल से 50 मीटर दूर घड़े को तोड़कर अस्थियां जमीन में फेंक दी गईं। मुकेश की अस्थियों से भरे कलश को तोड़कर मैदान में बिखेर दिए जाने से परिजनों व पत्रकारों में विरोध शुरू हो गया।

परिजनों ने बताया कि मुकेश की अस्थियों को कलेश्वरम में विसर्जन किया जाना था, जिसके लिए मुक्तिधाम के पास जब अस्थि कलश लेने पहुंचे तो अस्थि कलश गायब था। वहीं, उसकी खोजबीन करने पर 50 मीटर दूरी पर कलश टूटी और अस्थियां बिखरी पड़ी थी। मामले को लेकर दक्षिण बस्तर पत्रकार संघ के साथ ही बस्तर जिला पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने बीजापुर एसपी से शिकायत की है।

छत्तीसगढ़ के मंत्री का महिलाओं पर तेवर, कहा-उठा के फिकवा देंगे

■ महिलाओं ने दी सत्ता से हटाने की चेतावनी

कोरबा। कोरबा जिले में हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ। अपनी मांगों को लेकर सड़क जाम कर बैठी महिलाओं के साथ छत्तीसगढ़ सरकार के दो कैबिनेट मंत्री के बीच जमकर तीखी नोकझोंक हुई।

पंचायत मंत्री रामविचार नेताम कोरबा शहर के आईटीआई चौक, रामपुर स्थित वनवासी आश्रम में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उनके साथ उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन भी थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद मंत्री वापस जाने के लिए निकले। तभी फ्लोरा मैक्स कंपनी से लोन लेकर ठगी की शिकार महिलाओं ने उन्हें घेर लिया। लगभग 500 की संख्या में महिलाएं सड़क पर बैठ गईं और मंत्रियो का रास्ता रोक लिया। काफी देर तक गहमा गहमी भरा माहौल रहा। इस दौरान दोनों मंत्रियों और जिले के कलेक्टर ने महिलाओं से जो कहा वह चर्चा का विषय बन गया। इससे महिलाओं का आक्रोश और भी बढ़ गया।

रास्ता रोककर सड़क पर बैठी महिलाओं से मंत्री राम विचार नेताम बात करने पहुंचे। मंत्री ने महिलाओं से पूछा- तुम लोगों का नेता कौन है? इस पर महिलाओं ने जवाब दिया कोई नेता नहीं है।

फिर मंत्री नेताम ने कहा इस तरह

सड़क पर बैठने से क्या आपका काम होगा। शासन का नियम कानून अपने हाथ में मत लो। क्या हमारे अधिकारी नोट दिलाए थे क्या। बड़ों बड़ों का कर्ज माफ नहीं होता है। तुम्हारा कर्ज कहां से माफ होगा। कर्जा माफ नहीं होगा। सरकार ने कर्ज नहीं दिया है ऐसे में सरकार कैसे कर्ज माफी करेगी?

नेताम ने कहा कि आपके नाम पर जिस कंपनी ने पैसा लिया है, उस पर कार्रवाई की जा रही है। कंपनी के मालिक जेल में हैं। उनसे वसूली कर आपको पैसा दिलाया जाएगा। आरोपियों की जमीन कुर्की करके रकम को वापस आपको दिलवाया जाएगा। ऐसा नाटक करने से, इस तरह के आंदोलन से कुछ नहीं होगा।

मंत्री नेताम की बात से महिलाएं भड़क गई। महिलाओं ने प्रतिउत्तर दिया क्या हम लोग अब नाटक कर रहे हैं। हम भूखे रह रहे हैं। इसके बाद मंत्री ने कहा जब लोन ले रहे तब मजा आ रहा था, दारू और मुर्गा खाकर सब उड़ा दिए।

मंत्री राम विचार नेताम और कलेक्टर अजीत वसंत से महिलाओं की बात हो रही थी कि इतने में उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन वहां पहुंचे।

मंत्री देवांगन ने महिलाओं से कहा अभी शासन प्रशासन तुम लोगों का सहयोग कर रहा है। यदि तुम लोगों की हेकड़ी कम नहीं हुई तो, यहां से उठाकर फेंकवा देंगे। फिर आदेशात्मक लहजे में कहा कि जल्दी यहां पुलिस का इंतजाम करवाया जाए।

मंत्री लखन लाल देवांगन की इस बात पर महिलाएं भड़क गई। महिलाओं ने कहा हमें उठा के फिकवा देंगे। हम आप लोग को उखाड़कर फेंकेंगे। महिलाओं ने कहा कि हमारे वोट देने से ही आप मंत्री बने हैं।

सड़क पर बैठी महिलाएं लगातार कह रही थी कि अगर आप लोग चाहेंगे तो हमारा कर्ज माफ हो जाएगा। महिलाओं ने कहा जब कंपनी का उद्घाटन हुआ था तब मंत्री लखन लाल देवांगन भी आए थे।

मंत्रियों, कलेक्टर और महिलाओं के बीच हुई बहस से काफी देर तक आईटीआई चौक का माहौल गरम रहा। पुलिस की मौजूदगी में महिलाओं ने रास्ता जरूर खाली कर दिया। लेकिन उनका आक्रोश बढ़ गया।

कोरबा जिले में फ्लोरा मैक्स नाम की कंपनी तैयार की गई। मार्ट की तर्ज पर खुली इस कंपनी ने महिलाओं को आजीविका दिलाने के नाम पर झांसे में लिया। महिलाओं को 30-30 हजार रुपये के लोन बैंक सहित 45 निजी फाइनेंस कंपनियों से दिलवाए। जिसकी कुल रकम का आंकलन 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हुआ। लोन की रकम कंपनी अपने पास रखती थी, उसके बदले महिलाओं को उतने रुपये का सामान दिया जाता था। महिलाओं को लोन की राशि जमा करने के लिए कंपनी की ओर से 2700 रुपये बतौर सैलरी हर महीने दी जाती थी। उस दौरान कंपनी से 40 हजार से भी ज्यादा महिलाएं जुड़ी।

कुछ दिनों तक तो सब ठीक रहा लेकिन बाद में व्यापार में घाटा का हवाला देकर कंपनी ने किस्त की राशि देना बंद कर दिया। कंपनी से जुड़े कुछ लोग ढाई करोड़ से भी ज्यादा की राशि लेकर फरार हो गए। जिससे कंपनी बंद हो गई। जिन महिलाओं के नाम पर लोन था, फाइनेंस कंपनियां उन पर वसूली का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जिससे महिलाएं परेशान है। सरकार से लोन माफी की मांग कर रही है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सीएम साय की पहल पर 32 साल बाद मिला मुआवजा

जशपुर। जशपुर जिले में 32 साल पहले एक दर्दनाक घटना हुई थी।जिसमें साल 1992 में भालू के हमले में एक शख्स ने अपनी दोनों आंखों की रोशनी खो दी थी। अब 32 साल बाद पीड़ित शख्स को सीएम विष्णुदेव साय की पहल पर आर्थिक मदद मिली है।रविवार को सीएम विष्णुदेव साय के गृहग्राम बगिया में पीड़ित परिवार को सीएम की पत्नी कौशिल्या साय ने आर्थिक मदद का चेक सौंपा। जिले के दुलदुला ब्लॉक के ग्राम पंचायत कस्तुरा के आश्रित ग्राम केंदपानी के रहवासी पीड़ित ग्रामीण बाल बच्चन सिंह को आर्थिक मदद मिली है। बाल बच्चन ने बताया कि 24 सितंबर 1992 की सुबह वे अपने गांव के पास के जंगल में नित्यकर्म के लिए गए हुए थे। इसी दौरान झाड़ियों के बीच में बैठे हुए भालू ने उन पर हमला कर दिया। भालू के हमले से बाल बच्चन की दोनों आंखें बाहर आ गई। इलाज के बाद बाल बच्चन की जान तो बच गई,लेकिन उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। रंथू सिंह,पीड़ित के बड़े भाई ने कहा बाल बच्चन सिंह का परिवार आर्थिक संकट में आ गया था।

चलते ट्रक में लगी आग चालक ने कूदकर बचाई जान

कवर्धा। रायपुर-जबलपुर नेशनल हाइवे 30 मार्ग में सरिया से लदी एक ट्रक में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते ट्रक आग के गोले में बदल गया। चालक और परिचालक ने ट्रक से कूदकी अपनी जान बचाई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मी ट्रक में लगी आग पर काबू पाया। पूरा मामला चिल्फी थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि यह ट्रक रायपुर से सरिया लेकर मध्यप्रदेश जा रही थी। जब ट्रक चिल्फी घाटी पहुंची तो अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे आग लग गई। ट्रक जलकर खाक हो गया है। ट्रक ड्राइवर और कंडक्टर की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

राष्ट्रपति के लिए बिरन माला लेकर जाएगी जगतिन बाई

कवर्धा। जिले के पंडरिया विकासखंड के तीन विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों के छह सदस्य को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 76वें गणतंत्र दिवस में शामिल होने विशेष न्योता भेजा है। बैगा परिवारों के सदस्य 26 जनवरी को दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होंगे। यह अवसर सिर्फ इन परिवारों के लिए नहीं बल्कि कबीरधाम जिले और प्रदेश के लिए सम्मान की बात है। राष्ट्रपति मुर्मू ने जिन परिवारों को विशेष न्योता भेजा है, उनमें ग्राम पंचायत कादावनी के आश्रित ग्राम पटपरी की जगतिन बाई बैगा और उनके पति फूल सिंह बैगा, ग्राम तेलियापानी की तीतरी बाई बैगा और पति बुध सिंह बैगा और ग्राम तेलियापानी की ही बाली बाई बैगा, पति सोनू राम बैगा कुल 6 बैगा सदस्य शामिल है। कलेक्टर ने जिले के इन बैगा परिवारों को दिल्ली तक गणतंत्र दिवस के आयोजन तक सुरक्षित ले जाने के लिए जिला क्रेडा अधिकारी नंद कुमार गायकवाड़ को जिम्मेदारी सौंपी है। मीडिया ने निमंत्रित किए गए बैगा परिवार के सदस्य से बातचीत की।

समुदाय विशेष को लेकर महिला के भड़काऊ भाषण

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में प्रतिभा सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बीते दिनों महिला ने समुदाय विशेष को लेकर भड़काऊ भाषण दिया था, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस भाषण को लेकर उनके खिलाफ शिकायत मिली थी, जिस पर पुलिस ने प्रतिभा सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 196 (1-ख), 299, 302 के तहत मामला दर्ज किया है। दरअसल, हाल ही में जिले के ग्राम बगीचा में दुर्गा मंदिर पर बज रहे लाउडस्पीकर को नासिर अली ने बंद कराया था, जिसके बाद हिन्दू संगठन ने हजारों की संख्या में पहुंच कर रैली और आमसभा आयोजित की थी। इसी सभा को संबोधित करते हुए महिला ने समुदाय विशेष को लेकर एक भड़काऊ भाषण दे डाला। उन्होंने अपने भाषण में जशपुर के एक मोहल्ले को मिनी पाकिस्तान कहा था। इस भाषण को लेकर जशपुर के सरवर अली (उम्र 42 वर्ष) ने उनके खिलाफ बगीचा में लिखित शिकायत दी थी, जिसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ लिया।

बहला-फुसलाकर नाबालिग लड़की को भगा ले गया युवक

जांजगीर चांपा। सारागांव थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी समीर कुमार (19) को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सारागांव थाना प्रभारी सावन कुमार सारथी ने बताया कि नाबालिग लड़की के माता-पिता ने एफआईआर दर्ज कराई की। तहरीर में बताया कि आठ जनवरी की रात करीब नौ बजे से उनकी बेटी घर पर नहीं है। आसपास तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया है। सारागांव थाने में मामला दर्ज कर मोबाइल लोकेशन ट्रेस किया जा रहा था। इसी दौरान सक्ति जिले जैजैपुर क्षेत्र में लोकेशन मिलने पर पुलिस टीम पहुंची और नाबालिग लड़की को आरोपी युवक के कब्जे से बरामद किया। आरोपी समीर कुमार को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने की बात स्वीकार की, जिसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

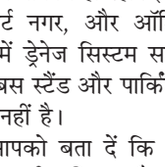

धमतरी नगर निगम का चुनावी दंगल, किन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे नेता

धमतरी। छत्तीसगढ़ के 10 निगमों में आने वाले दिनों में चुनाव होने हैं। धमतरी नगर निगम में भी चुनाव को लेकर तैयारी शुरु हो गई है। नगर निगम बनने के बाद धमतरी में ये तीसरा चुनाव होने जा रहा है। इस बार धमतरी निगम की महापौर सीट आरक्षण मुक्त है। इसलिए मुकाबला दिलचस्प होना तय है। सीधा मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच होगा। दोनों तरफ के दावेदार जोड़ तोड़ में लग चुके हैं। अभी से ही कांग्रेस और बीजेपी ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है।

इस बार धमतरी में महापौर को लेकर भी जोरदार लड़ाई लड़ी जाएगी।महापौर का चेहरा कांग्रेस और बीजेपी दोनों के लिए असरकारक रहेगा। दोनों ही दलों से कम से कम आधा दर्जन चेहरे महापौर की रेस में हैं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष शरद लोहाना ने कहा कि संभावना पहले से भी बनी हुई थी कि धमतरी नगर निगम इस बार अनारक्षित होगा। हम तो सोचते हैं कि हमें ही इसका लाभ मिलेगा, प्रत्याशी हाई कमान तय करता है। जो भी प्रत्याशी होगा वह जीतने वाला प्रत्याशी होगा।

शरद लोहाना ने कहा हमारी पार्टी में कोई भी बागी

खड़े नहीं होंगे।सामने वाली पार्टी में हो सकते है बागी। महतारी वंदन पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा में इसका असर जरूर दिखा है। मुझे लगता है कि महिलाओं की रसोई से अनाज गायब हो गया है, गैस और बिजली के दाम जिस तरीके से आसमान छू रहा है मुझे लगता है महतारी वंदन योजना का असर कम हो गया है। कांग्रेस की उपलब्धियों का बाजार लगा हुआ है। महिला सशक्तिकरण पर कांग्रेस ने काम किया, महिलाओं को आर्थिक लाभ मिला, किसानो को पैसे मिले। लेकिन आज व्यापारी जीएसटी से परेशान है।

वहीं कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर के मुताबिक कांग्रेस कार्यकाल में विकास हुए हैं, आने वाले कार्यकाल में भी हम विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे। बहुत से प्रोजेक्ट हमने बनाए थे वो रुके हुए हैं उस पर काम किए जाएंगे।

राजेश ठाकुर ने कहा गोकुल नगर, हाइटेक बस स्टैंड, स्विमिंग पूल, गोल बाजार जैसी योजना सामान्य सभा में पास होते आया है लेकिन कुछ कारणों से काम रुक गया है। जिसे पूरा किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार ने एक भी विकास कार्य नहीं किए हैं। अब महतारी वंदन योजना का फायदा धोखे से इनको मिला है अब नहीं मिलेगा।

वहीं बीजेपी नेता राजेश शर्मा ने कहा कि आरक्षण मुक्त यहां कोई मुद्दा नहीं है बल्कि विकास के सतत् प्रक्रिया ये मुद्दा होना चाहिए। धमतरी का इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की प्रक्रिया पर है।

राजेश शर्मा ने कहा बीते 5 सालों में विकास ठप रहा। मूलभूत आवश्यकताओं को पूरी करने में कमी है। धमतरी में तीन बड़ी सड़कें हैं उनका निर्माण होना चाहिए। रोड चौड़ीकरण, पाथवे बनने चाहिए। भाजपा की विचारधारा समाज को एकता के सूत्र में बांधना है। कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण में है। कांग्रेस कहीं नहीं है।

वहीं बीजेपी नेता विजय मोटवानी ने कहा कि प्रदेश भर के नगर निगमों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी। इन पांच सालों में धमतरी नगर निगम में कांग्रेस पार्टी के महापौर थे। उनकी एक भी उपलब्धि नहीं है। दुर्भाग्य है कि पांच सालों में सिर्फ दो सामान्य सभा की बैठक हुई हैं। यहां तो कुछ पार्षद तो एक दूसरे को जानते तक नहीं हैं यही उपलब्धि है।भारतीय जनता पार्टी की त्रि-स्तरीय में सरकार बन रही हैं।

पिछले 5 साल से निगम की सत्ता में बैठी कांग्रेस पर कोई बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाने के आरोप है। तो कई ऐसे प्रोजेक्ट है जिन्हें बीजेपी भी अपने कार्यकाल में पूरा नहीं कर सकी।साथ ही साथ कांग्रेस भी उन्हें पूरा करने में नाकाम ही रही। इनमें मुख्य रूप से गोकुल नगर, ट्रांसपोर्ट नगर, और ऑडिटोरियम शामिल हैं।धमतरी शहर में ड्रेनेज सिस्टम सबसे बड़ी समस्या है।इसी के साथ बस स्टैंड और पार्किंग को लेकर भी शहर में कोई प्लान नहीं है।

आपको बता दें कि धमतरी छत्तीसगढ़ का सबसे पुराना नगरीय निकाय है।10 साल पहले ये नगर निगम बना। 2019 में कांग्रेस पहली बार धमतरी निकाय की सत्ता में काबिज हुई थी। अब फिर से मुकाबला होना है। लेकिन 2019 से अलग इस बार प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। इन 10 सालों में कई नए खिलाड़ी मैदान में उतर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

मकर संक्रांति पर भव्य खारुन गंगा महाआरती व भजन संध्या

रायपुर। प्रत्येक महीने के पूर्णिमा की संध्या पर पिछले दो साल से हो रही खारून गंगा महाआरती का आयोजन राजधानी रायपुर के महादेवघाट तट पर इस बार 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन शुभ संध्या में किया गया है। माघ मास की शुरूआत और शाही स्नान का प्रथम दिवस भी इसी दिन है। सैकड़ों लोग इसमें हिस्सा लेंगे। खारुन गंगा महाआरती के संस्थापक एवं करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर एवं खारुन गंगा महाआरती प्रमुख आचार्य धीरज शास्त्री ने बताया कि वैसे तो हर पूर्णिमा पर यह आरती होती है पर इस बार महापर्व के रूप में मकर संक्रांति को यह बड़े ही भव्य स्वरूप में किया जा रहा है। 11 विद्वतजन ब्राम्हणों के द्वारा महाआरती विधि विधान से होगी इसमें अन्य लोग भी सहभागी बनेंगे। पश्चात धार्मिक भजन संध्या में लल्लू भैया की भजन संध्या होगी। एक पात्रीय नाट्य मंचन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का 90 मिटन का कार्यक्रम भी है। श्रीराम जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक का मंचन किया जायेगा। लेखक,निर्देशक कलाकार,अभिनय श्री दामोदार रामदासी का होगा।

अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति कार्निवाल में खेले टैटू व नेल आर्ट के साथ पतंग भी उड़ाए

रायपुर। अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति के द्वारा अग्रवाल कार्निवल 2025 का आयोजन आनंदम वर्ल्ड सिटी में किया गया जहां टैटू आर्ट, नेल आर्ट, तंबोला के साथ नये एवं पुराने गानों पर अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति की महिलाएं खूब थिरकी। वहीं दूसरी ओर बच्चों ने नव दुर्गा अवतार पर नृत्य किया गया और पतंग उत्सव में सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए पतंग उड़ाए। कार्यक्रम के अंत में अग्रवाल मोहल्ला कचना समिति के सदस्यों ने लजीज व्यंजनों का लुफ्त उठाया। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, महा मंत्री मनमोहन अग्रवाल, युवा मंडल, संगठन मंत्री योगी अग्रवाल, किशन अग्रवाल, विशम्बर अग्रवाल, जयंती प्रभारी मनीष अग्रवाल, राम अग्रवाल, महिला मंडल से उपाध्यक्ष राज अग्रवाल, मंत्री सुनीता मुरारका, संजू अग्रवाल, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल, कचना विधान सभा के संयोजक अशोक गोयल, सह संयोजक सुजीत अग्रवाल, महिला मंडल की संयोजिका विजेता अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, मिरू अग्रवाल, वीणा अग्रवाल उपस्थित थी। उक्त जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने दी।

छत्तीसगढ़ की दो छात्राओं को प्रधानमंत्री से सीधे संवाद का अवसर

रायपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री से संवाद करने के लिए छत्तीसगढ़ की दो छात्राओं का चयन किया गया है। किरन्दुल (दंतेवाड़ा) की कु. स्नेहा मेश्राम और सलकापतराटोवी (सरगुजा) जिले से कु. गुनगुन गुप्ता ने इस अवसर पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है और हमें इस अवसर पर प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम के तहत देश भर के चुनिंदा छात्रों को प्रधानमंत्री से संवाद करने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम परीक्षा के दबाव को कम करने और छात्रों को प्रेरित करने के लिए आयोजित किया गया है। नोडल अधिकारी वन्दना शर्मा ने कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है कि छत्तीसगढ़ से दो छात्राओं का चयन किया गया है। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत प्रेरणादायक होगा। इस अवसर पर, छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री ने भी छात्राओं को बधाई दी और कहा, यह एक बहुत बड़ा सम्मान है कि हमारे राज्य की छात्राओं को प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलेगा। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए बहुत प्रेरणादायक होगा। कु. स्नेहा मेश्राम और कु. गुनगुन गुप्ता ने कहा, हमें इस अवसर पर प्रधानमंत्री से संवाद करने का मौका मिलने पर बहुत खुशी हो रही है। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

350 प्रत्याशियों के परिचय के साथ एजुकेटेड परिचय सम्मेलन का समापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रांतीय युवा अग्रवाल मंच के दो दिवसीय एजुकेटेड परिचय सम्मेलन का समापन 350 प्रत्याशियों के परिचय के साथ संपन्न हुआ। जबलपुर, नागपुर, गोंदिया, टाटानगर, दिल्ली, लुधियाना, कलकत्ता, चेन्नई, कटक, गुडगांव, दिल्ली सहित 100 शहरों से आए प्रत्याशी राम स्वरुप निरंजन लाल धर्मशाला में बनाए गए। आधुनिक स्टूडियो में अपना परिचय दिए जहाँ अभिभावक अपने बच्चों के लिए रिश्ते छाँटते रहे। उल्लेखनीय है कि युवती व युवक प्रत्याशी भी स्टेज में लगे बड़े एलईडी स्क्रीन में अपने लिए वर पसंद करते रहे जिन्हें मिलवाने व चर्चा कराने में समन्वय समिति के पच्चीस सदस्य लगातार सक्रिय रहे, जिसमे काफ़ी सफलता मिली। लगभग 75 जोड़े तय होने की स्थिति मे पहुँच गए हैं। संयोजक कन्हैया अग्रवाल व हरि वल्लभ अग्रवाल ने बताया कि डाक्टर, इंजीनियर, उद्योगपति, जज, अधिकारी सहित बड़ी कंपनियों में कार्यरत् प्रोफेशनल प्रत्याशी भारी संख्या में उपस्थित होकर बिना झिझक अपना परिचय देकर जीवन साथी के लिए परिचय प्राप्त किए। सगाई, संबंध परिवारों के साथ उनके घरों में तय किए जावेगे। विवाह की बढ़ती उम्र व विवाहित जीवन मे पड़ रहे गतिरोध से चिंतित अग्रवाल समाज के बच्चों के विवाह सही उम्र पर क्यों व कैसे करे सहित वैवाहिक जीवन प्रबंधन पर प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर निहारिका सिंघी, कटक, उड़ीसा का स्पीच भी इस अवसर पर कराया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया बड़ा ऐलान

अब 15 हजार के मासिक वेतन वालों को भी मिलेगा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री आज बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा, सुकमा और कोण्डागांव जिले के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने दंतेवाड़ा जिले के लिए 160 करोड़ 53 लाख रुपए की विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन किया। इस दौरान उन्होंने आवास प्लस योजना 2024 को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

उन्होंने बताया कि मार्च के बाद फिर से सरकार 4 लाख नए प्रधान मंत्री आवास बनाकर देगी। अब तक केवल 10 हजार रुपए मासिक वेतन (अधिकतम) वालों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलता था। लेकिन इस साल 2025 में सरकार आवास प्लस योजना लाने वाली है, जिसमें 15 हजार रुपए मासिक वेतन पाने वालों को भी इस योजना का लाभ मिल सकेगा। इतना ही नहीं, इस योजना के तहत जिसके पास बाइक है, 2।5 एकड़ सिंचित जमीन और 5 एकड़ असिंचित जमीन है, उन्हें भी अब प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिलेगा। इसका सर्वे काम चालू हो गया है। इस देश में कोई भी बिना घर के नहीं रहेगा, सबका पक्का घर होगा।

उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए अपना सर्वे खुद कर सकेंगे। भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग ने एक ऐप तैयार किया है। उस ऐप में आधार कार्ड के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भर सकते हैं। इससे पात्र आवेदनकर्ता अपना सर्वे रिपोर्ट देख सकेंगे।

इस मौके पर सीएम साय ने कहा कि आज दंतेवाड़ा जिले के लिए बड़ा सौभाग्य का दिन है, कि आज 160 करोड़ 53 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन वन मंत्री केदार कश्यप, कई जनप्रतिधि, अधिकारियों और संगठन के लोगों की उपस्थिति में समपन्न हुआ है। निश्चित रूप से इससे जिले को लाभ मिलेगा।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवाओं का सम्मान

रायपुर। स्वामी विवेकानंद उत्कर्ष परिषद द्वारा स्वामी विवेकानंद की 161वीं जयंती के उपलक्ष्य में आनंद समाज वाचनालय में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया।

अपने उद्बोधन में श्री सुनील सोनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने ढाई साल रायपुर में बिताए थे। उनके विचार और जीवनशैली आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने युवाओं को विवेकानंद की पुस्तकों का अध्ययन करने और उनके विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। समिति की अध्यक्ष दीप्ति दुबे ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी और युवाओं को सेवा के क्षेत्र में सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया। सभापति प्रमोद दुबे ने स्वामी विवेकानंद के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। समिति के सचिव सौरभ तिवारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भूखे को भोजन और सेवा के क्षेत्र में समर्पित होने का आव्हान किया जो आज भी प्रासंगिक है।

इस अवसर पर प्रमुख युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिनमें दिव्यांश तिवारी, गज्जू साहू, सीमा दुबे, आरती शर्मा, प्रदीप सयानी, शिखा शर्मा, पूनम शुक्ला, रमा मिश्रा, अनुराग तिवारी, आर्यरतन शर्मा, अनिकेत अग्रवाल, सुरभि शर्मा,आलोक शर्मा,आकांक्षा शुक्ला, दृष्टि दुबे, समीर वेनसयानी, तृप्ति लूनिया शामिल थे।

छेरछेरा, कोठी के धान ला हेर हेरा

वित्तमंत्री ने मंत्री रामविचार नेताम से मांगा छेरछेरा

रायपुर। छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेराज धान के कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में आज धूमधाम से पारंपरिक त्योहार छेरछेरा पर्व मनाया जा रहा है। सुबह से ही बच्चों की टोलीयां छेरछेरा मांगने निकल पड़ी है। बच्चे तो बच्चे प्रदेश के मंत्री ने भी आज छेरछेरा मांगा।

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने सोमवार को कृषि मंत्री रामविचार नेताम के निवास पर जाकर छेरछेरा पर्व मनाया। ओपी चौधरी ने रामविचार नेताम से छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेर हेराज कहते हुए छेरछेरा मांगा। जिसके बाद रामविचार नेताम ने धान निकालकर टुकनी में डालकर अन्न का दान किया। मौके पर मौजूद अन्य लोगों को भी कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने अन्न का दान दिया।

छत्तीसगढ़ में धान और अन्न के दान का सबसे बड़ा पर्व लोकपर्व छेरछेरा पुन्नी आज मनाया जा रहा है। इस दिन को पौष पूर्णिमा व शांकभरी जयंती के नाम से भी जाना जाता है। छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पुन्नी का अलग ही महत्व है। वर्षों से मनाया जाने वाला ये पारंपरिक लोक पर्व साल के शुरुआत में मनाया जाता है। इस दिन रुपए-पैसे नहीं बल्कि अन्न का दान करते हैं। इस पर्व में सरकार भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती है।

महादान और फसल उत्सव के रूप त्यौहार मनाया जाने वाला छेरछेरा तिहार

छत्तीसगढ़ के सामाजिक समरसता, समृद्ध दानशीलता की गौरवशाली परम्परा का संवाहक है। इस दिन 'छेरछेरा, कोठी के धान ल हेरहेरा' बोलते हुए गांव के बच्चे, युवा और महिलाएं खलिहानों और घरों में जाकर धान और भेंट स्वरूप प्राप्त पैसे इकट्ठा करते हैं और इकट्ठा किए गए धान और राशि से वर्षभर के लिए कार्यक्रम बनाते हैं। छत्तीसगढ़ के किसानों में उदारता के कई आयाम दिखाई देते हैं। यहां उत्पादित फसल को समाज के जरूरतमंद लोगों, कामगारों और पशु-पक्षियों के लिए देने की परम्परा रही है।

छेरछेरा का दूसरा पहलू आध्यात्मिक भी है, यह बड़े-छोटे के भेदभाव और अहंकार की भावना को समाप्त करता है। फसल के घर आने की खुशी में पौष मास की पूर्णिमा को छेरछेरा पुन्नी तिहार मनाया जाता है। इसी दिन मां शाकम्भरी जयंती भी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शंकर ने माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी, इसलिए लोग धान के साथ साग-भाजी, फल का दान भी करते हैं। पौष पूर्णिमा धान के लिए प्रसिद्ध है। संपूर्ण भारतवर्ष में इस शुभदिन अन्न, दलहन-तिलहन का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। यह सूर्य के उत्तरायण की प्रथम पूर्णिमा है। अत: इसका विशेष महत्व माना गया है।

शाकंभरी माता की जयंती

शाकम्भरी माता देवी भगवती का अवतार है। ऐसा माना जाता है कि देवी भगवती ने पृथ्वी पर अकाल और गंभीर खाद्य संकट को कम करने के लिए शाकम्भरी मां का अवतार लिया था। इन्हें सब्जियों, फलों और हरी पत्तियों की देवी के रूप में भी जाना जाता है। शाकम्भरी नवरात्रि की पूर्णिमा का महत्व अत्याधिक है। इस दिन को पौष पूर्णिमा के नाम से देश के विभिन्न स्थानों पर मनाया जाता है। इस दिन लोग पवित्र नदी पर जाकर स्नान करते हैं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। साथ ही व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

छत्तीसगढ़ में ओबीसी आरक्षण पर विवाद

सीएम ने कहा था 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा : धनेंद्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ओबीसी आरक्षण को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जिला पंचायतों में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण न मिलने पर पूर्व प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने चुनाव स्थगित कर ओबीसी को उचित आरक्षण देने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ओबीसी को आरक्षण नहीं मिला, तो कांग्रेस प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगी।

धनेन्द्र साहू ने कहा, भाजपा की सरकार आरक्षण को खत्म करने की साजिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि ओबीसी को 50% आरक्षण दिया जाएगा, लेकिन बस्तर और सरगुजा संभाग में केवल झुनझुना थमा दिया गया। यह पिछड़ा वर्ग के साथ अन्याय है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने अपनी नीतियों में बदलाव नहीं किया, तो कांग्रेस बड़े स्तर पर प्रभावी आंदोलन करेगी।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए आरक्षण की प्रकिया पूरी हो गई है। बीते शनिवार 11 जनवरी को प्रदेश के सभी 33 जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण हो गया है। रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट सामान्य (मुक्त) है। वहीं धमतरी, महासमुंद, सारंगढ़-बिलाईगढ़ और मुंगेली में भी सामान्य (मुक्त) रखा गया है। 33 में से 16 सीट एसटी वर्ग के लिए, 4 सीट एससी वर्ग के लिए और 13 सीट सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। इनमें कुल 17 सीट सभी वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षित है। वहीं ओबीसी के लिए पद आरक्षित नहीं है।

बता दें कि ओबीसी के लिए पद आरक्षित नहीं होने पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिस्ट रद्द कर संशोधित सूची जारी करने की मांग की है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकॉउंट पर लिखा- आखिर वही हुआ जिसकी आशंका मैंने व्यक्त की थी। पूरे प्रदेश में एक भी ज़िले में अब पिछड़े वर्ग के जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए पद आरक्षित नहीं होगा। जिस प्रदेश में लगभग पचास प्रतिशत आबादी पिछड़े वर्ग की है वहां उनको कोई आरक्षण न देना भाजपा की सोच ही हो सकती थी। इस सूची को रद्द कर नई संशोधित सूची जारी करनी चाहिए।

मंत्री जी! आप कंपनी के नहीं जनता के प्रतिनिधि हैं!

रायपुर। अनुभवी हैं, वरिष्ठ हैं, शिक्षित हैं, सभ्य हैं, शिष्ट हैं। गांव-गंवई से निकले हैं। ओबीसी वर्ग से आते हैं। सौम्य छवि के नेता माने जाते हैं। शायद इसीलिए महापौर भी रहे, विधायक भी रहे और अब मंत्री हैं। लेकिन अब क्या? क्या जनता की जगह कंपनी के प्रतिनिधि हैं? ये सवाल मंत्री के उस दुर्व्यवहार से उठ खड़ा हुआ, जो उन्होंने अपने ही क्षेत्र की पीड़ित महिलाओं के साथ किया है। ये सवाल उस वायरल वीडियो से उठ खड़ा हुआ, जिसमें वे पीड़ित महिलाओं को धमकाते हुए नजर आ रहे हैं, जिसमें वे महिलाओं को पुलिस बुलवाकर फेंकवा देने की बात कह रहे हैं। वाह! मंत्री जी वाह! महिलाएं न हुई मानों कोई समान हो गया। जिसे आप फेंकवा देने की बात कह रहे हैं। अधिकारियों की मौजूदगी में डरा रहे हैं धमका रहे हैं वाह ! मंत्री जी वाह!

वाह! वाले ये मंत्री लखन लाल देवांगन हैं। साय सरकार में श्रम एवं उद्योग मंत्री हैं। लेकिन मंत्री जी का श्रम कैसे और किस दिशा में लग रहा है इसे देखा और समझा जा सकता है। मंत्री के पास श्रम

के साथ ही उद्योग विभाग है। लेकिन छत्तीसगढ़ में ठगी, जालसाज, फर्जीवाड़ा का उद्योग बड़े पैमाने पर फूल-फल रहा है, चल पड़ा है शायद इसकी जानकारी उद्योग को मंत्री को नहीं।

अगर होती तो मंत्री पीड़ितों की पीड़ा से वाकिफ होते। उनकी पीड़ा को अपनी पीड़ा समझते। साथ बैठते, धैर्य से सुनते और न्याय दिलाने की बात कहते। लेकिन मंत्री तो पुलिस बुलाकर फेंकवा देने की बात कह रहे हैं। अब ऐसे में इसे क्या माना जाए? देवांगन जी आप कंपनी के नहीं जनता के प्रतिनिधि हैं। आपको तो आपके क्षेत्र के लोगों ने ही चुना है। ऐसे में आपको उन्हें सुनाना नहीं, हर क्षण, हर परिस्थिति में सुनना चाहिए।

आपकी धमकी लुटेरों के लिए होनी चाहिए। भ्रष्ट सिस्टम, भ्रष्ट अधिकारियों के लिए होनी चाहिए। आपको उन्हें हटाना, फेंकना, जेल भेजना चाहिए, जिन्होंने इस प्रदेश को लूटा है, लूट रहे हैं, जो सिस्टम में दीमक की तरह घुस गए हैं, घुस रहे हैं, जो जोंक की तरह खून चूस रह रहे हैं।

ये एक वीडियो तो फ्लोरा मैक्स के पीड़त महिलाओं का है। न जाने ऐसी कितनी महिलाएं ? कितने ही लोग ठगी कंपनियों के शिकार होंगे। जिनके वीडियो नहीं आए होंगे। लेकिन जो सामने आ गए हैं उन्हें तो सुन लीजिए। आप अगर सुनेंगे नहीं, सुनाएंगे, धमकाएंगे तो इससे ठगी करने वालों का दुस्साहस और बढ़ेगा। जिन्होंने लाखों, करोड़ों ठगा, वो अरबों का ठगेगा।

वैसे भी आपने अपनी सरकार को विष्णु का सुशासन कहा है। जहां सबके साथ न्याय सर्वोपरि है। अगर ऐसा है तो पीड़ितों के साथ न्याय हो। लेकिन न्याय होता पीड़ितों के साथ दिख नहीं रहा है। आपने महिलाओं को धमकी क्या दी? सारा सिस्टम ही पीड़ितों के खिलाफ हो गया है।

छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पर्व का उत्साह, सीएम साय ने छेरछेरा और कुंभ मेले की दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुखिया विष्णुदेव साय ने प्रदेश वासियों को छेरछेरा पर्व और माघ पुन्नी मेला की शुभकामनाएं दी हैं। आपको बता दें कि सीएम विष्णुदेव साय धार्मिक प्रवृत्ति के इंसान हैं।जो धार्मिक मौकों पर अपनी आस्था को जनता के बीच अक्सर लाते हैं। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व छेरछेरा को लेकर भी सीएम साय ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

ऐसी मान्यता है कि कौसल प्रदेश के राजा कल्याण साय मुगल सम्राट ने जहांगीर की सल्तनत में युद्ध कला के प्रशिक्षण के लिए गए थे। इस दौरान 8 साल तक महारानी ने राज-काज का काम संभाला। जब वे वापस लौटे तो महारानी ने सोने-चांदी के सिक्के बांटे। उस दिन से दान देने की परंपरा शुरु हुई। ये परंपरा छेरछेरा के रूप में आज भी प्रदेश में जीवित है। इस दिन बच्चे घर-घर जाकर %अरन बरन कोदो दरन, जभे देबे तभे टरन।छेरछेरा, माई कोठी के धान ले हेरते हेरा।।।% बोलकर दान मांगते हैं। इस दिन धान के दान का विशेष महत्व है।

वहीं सीएम विष्णुदेव साय ने कुंभ मेले की शुरुआत पर प्रदेश और देशवासियों को शुभकामनाएं दी है। सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया पेज से देश वासियों को कुंभ मेले की शुभकामनाएं दी।आपको बता दें कि 12 साल बाद कुंभ मेले का आयोजन होता है।इस बार कुंभ मेला प्रयागराज की पवित्र गंगा नदी में लगा है।जिसमें इस बार करोड़ों श्रद्धालुओं के पावन डुबकी लगाने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव: कांग्रेस और भाजपा से रायपुर महापौर की महिला दावेदार

रायपुर। एक बार फिर रायपुर नगर निगम की कमान महिला महापौर के हाथ में जाने वाली है। रायपुर नगर निगम के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हो गई। जिसके तहत अब रायपुर में महिला महापौर होगी। आरक्षण सूची के अनुसार रायपुर महापौर की सीट सामान्य महिला के लिए आरक्षित की गई है। हालांकि इससे पहले भी कांग्रेस की किरणमयी नायक रायपुर की मेयर रह चुकी है।

रायपुर मेयर के लिए आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद छत्तीसगढ़ के दोनों प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस में महापौर उम्मीदवार को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। आरक्षण के बाद से ही भाजपा और कांग्रेस दोनों ही अपने अपने उम्मीदवार की जीत के दावे कर चुके हैं। यह अलग बात है कि अब तक दोनों ही पार्टी ने रायपुर नगर निगम के लिए महापौर पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है। बावजूद इसके ऐसे कई नाम है जो कांग्रेस और बीजेपी के भीतर खाने में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

सबसे पहले बात करते हैं सत्ता पर काबिज पार्टी बीजेपी की। भाजपा से दावेदारों की सूची में सबसे पहला नाम मीनल चौबे का है। मीनल चौबे वर्तमान में रायपुर नगर निगम की निवृत्तमान नेता प्रतिपक्ष हैं। वे भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष भी है। इसके अलावा वे तीन बार की पार्षद रह चुकी है और लगातार राजनीति में सक्रिय रही है। वर्तमान में भाजपा से महापौर की सूची में मीनल चौबे का नाम सबसे ऊपर है।

अब बात करते हैं भाजपा नेता लक्ष्मी वर्मा की। लक्ष्मी वर्मा पहले रायपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं। लगातार वे राजनीति में सक्रिय रही है और उनका अच्छा खासा लंबा अनुभव रहा है। संगठन में उनकी खासी पकड़ है। इसलिए संगठन खेमे में से दावेदारों की सूची में लक्ष्मी वर्मा का नाम सबसे ऊपर है।

इनके अलावा प्रभा दुबे का नाम भी भाजपा की ओर से रायपुर महापौर के दावेदारों में शामिल है। वे पूर्व में भी रायपुर नगर निगम से महापौर के लिए चुनाव लड़ चुकी है। जिन्हें कांग्रेस की उम्मीदवार रही। किरणमयी नायक ने हराया था। लगभग दो दशक से प्रभा दुबे राजनीति में सक्रिय है। वे प्रदेश भाजपा महिला में पदाधिकारी भी रह चुकी है। यही वजह है कि प्रभा दुबे का नाम भी इस महापौर के दावेदारों में शामिल है।

इनके अलावा भी ऐसे कई नाम है। जो

इस महापौर उम्मीदवार की दौड़ में शामिल है। उसमें सीमा संतोष साहू, शताब्दी पांडे, ममता सुभाष अग्रवाल, विश्वदिनी पांडे, ममता साह, सरिता आकाश दुबे, सोमा संतोष साहू, हेमलता चंद्राकर, राशि बलवानी का नाम शामिल है।

अब बात करते हैं कांग्रेस से रायपुर नगर निगम के लिए महापौर के दावेदारों की। उसमें दीप्ति दुबे का नाम कांग्रेस की ओर से महिला महापौर की उम्मीदवार के रूप में सुर्खियों में है। दीप्ति दुबे निवृत्तमान सभापति प्रमोद दुबे की पत्नी है। वे साइकोलाजिस्ट है, उनका मेंटल हेल्थ क्लीनिक है। वे सामाजिक कार्यों में सक्रिय रही है। दीप्ति दुबे शैक्षणिक रूप से बेहद योग्य हैं। उन्होंने मास्टर्स इन साइकोलॉजी के साथ एमए हिंदी साहित्य किया है और वर्तमान में पीएचडी कर रही हैं। पत्रकारिता में डिप्लोमा होने के साथ-साथ वह मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में काम कर रही हैं। सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में उनकी एक अलग पहचान है।

रायपुर मेयर की रेस में कांग्रेस के नाम से दूसरा नाम किरणमयी नायक का है। हालांकि वे वर्तमान में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष हैं। बावजूद इसके उनके नाम की भी चर्चा सुर्खियों में है। क्योंकि पूर्व में किरणमयी नायक रायपुर की महापौर रह चुकी है। उन्हें एक तेज तर्रार महापौर के रूप में जाना जाता है। राज्य में भाजपा सरकार होने के बावजूद किरणमयी नायक ने रायपुर वासियों को कई बड़ी सौगात दी थी और निगम के कार्य को बखूबी किया था। इसके अलावा किरणमयी नायक को वकालत में महारत हासिल है। वे वकील है और उन्हें कानूनी दांव पेंच अच्छे से आते हैं। इसका इस्तेमाल भी उन्होंने न सिर्फ राजनीतिक क्षेत्र में किया बल्कि महिला आयोग के कामों में भी महिलाओं को न्याय दिलाने में किया है। यही वजह है कि महापौर के दावेदारों में किरणमयी नायक का नाम भी शामिल किया गया है।

इसके अलावा अरजुमन ढेबर का नाम दावेदारों में शामिल है जो की निवृत्तमान महापौर एजाज ढेबर की पत्नी है। वे लगातार सामाजिक संगठन के माध्यम से सामाजिक कार्य करते आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने मध्य। गरीब और निम्न वर्ग की महिलाओं को उत्थान के लिए भी कई काम किए हैं। यही कारण है कि कांग्रेस से महापौर की दौड़ में अरजुमन ढेबर का नाम सुर्खियों में है।

पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा की पत्नी परमजीत जुनेजा के नाम की भी चर्चा है। वे पंजाबी समाज रायपुर महिला विंग की अध्यक्ष हैं और सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। लगातार कई जगहों पर वह कुलदीप जुनेजा के साथ भी कड़ी नजर आई है। यही वजह है कि परमजीत जुनेजा का नाम भी कांग्रेस के दावेदारों में शामिल है।

इनके अलावा भी कांग्रेस से कई ऐसे नाम है जो महापौर की दौड़ में शामिल है, उसमें प्रीति उपाध्याय शुक्ला, अंजनी राधेश्याम विभार, निशा देवेंद्र यादव, वंदना राजपूत, राधिका यादव और कविता ग्वालानी का नाम भी शामिल है।

दिल्ली में गलत ट्रैक पर जा रही है कांग्रेस

संतोष पाठक

देश की राजनीति के मैदान में राहुल गांधी को लगातार गलतियां करने वाले नेता के तौर पर जाना जाता है। कई बार तो राहुल गांधी जीता हुआ चुनाव भी हार जाते हैं। आरोप तो यहां तक लगाया जाता है कि राहुल गांधी के इर्द-गिर्द जो नेता रहते हैं, वे चाहते ही नहीं है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव जीते। इसलिए कांग्रेस के नेता लगातार राहुल गांधी को अजब-गजब फैसले लेने के लिए उत्साहित और प्रेरित करते रहते हैं। राहुल गांधी कई बार चुनावी मैदान में सेल्फ गोल करते दिखाई देते हैं तो कई बार गलत ट्रैक पर जाकर रास्ता ही भटक जाते हैं। दिल्ली विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव में भी एक बार फिर से राहुल गांधी गलत ट्रैक पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह बात बिल्कुल सौ फीसदी सही है कि कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपराजेय पार्टी के तौर पर स्थापित हुई है लेकिन उतना ही बड़ा सच यह भी है कि कांग्रेस पार्टी अपना वह पुराना वोट बैंक आप से पूरी तरह से छीनने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में बेहतर तो यह होता कि कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक को पाने के लिए फेज वाइज रणनीति बनाकर, उसे अमल में लाती लेकिन इसकी बजाय कांग्रेस रणनीतिक तौर पर एक बहुत बड़ी गलती करते हुए दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी खोई जमीन पाने के लिए कांग्रेस एमओएस फॉर्मूला अपनाने जा रही है। यानी कांग्रेस दिल्ली में अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम बहुल सीटों के साथ ही उन विधानसभा सीटों पर फोकस करेगी ,जहां-जहां ओबीसी और दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। हकीकत में कांग्रेस यहीं सबसे बड़ी गलती करने जा रही है। राहुल गांधी के करीबियों ने उन्हें यह सलाह देकर,एक बार फिर से उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस पार्टी को गलत ट्रैक पर डाल दिया है। मंडल-कमंडल की राजनीति के दौर के बाद ओबीसी यानी अन्य पिछड़े वर्ग के मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस से विमुख हो चुके हैं और इनकी वापसी की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे में कांग्रेस के इस फॉर्मूले का असफल होना तय माना जा रहा है। दरअसल, राहुल गांधी को कांग्रेस को फिर से मजबूत करने के लिए एमओएस की बजाय बीडीएम के फॉर्मूले को अपनाना चाहिए जिसके बल पर जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक देश पर राज कर चुके हैं। बीडीएम फॉर्मूले का मतलब है - ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समुदाय। इसी समीकरण के बल पर कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया है। लोकसभा चुनाव के समय से ही मुस्लिम मतदाताओं के बड़े वर्ग ने कांग्रेस की तरफ लौटना शुरू कर दिया है। दिल्ली में भी इस बार के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का वोट बड़े पैमाने पर कांग्रेस को मिलने की संभावना है और अगर कांग्रेस भाजपा को हराती हुई नजर आई तो पूरा मुस्लिम समाज कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देते हुए नजर आएगा। लेकिन इसके लिए कांग्रेस को बीडीएम फॉर्मूले के - ब्राह्मण और दलित को भी अपने साथ जोड़ना होगा। दिल्ली का दलित आज की तारीख में अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा है और उन्हें अपने पाले में लाने के लिए राहुल गांधी को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के मान-सम्मान की लड़ाई को और ज्यादा तेज करना पड़ेगा। ब्राह्मण मतदाताओं की बात करें तो दिल्ली में यह समाज आज की तारीख में भाजपा, आप और कांग्रेस - तीनों ही पार्टियों में बंटा हुआ है। राहुल गांधी अगर थोड़ी सी कोशिश भी करेंगे तो अन्य राजनीतिक दलों के ओबीसी राग से नाराज ब्राह्मण समाज पूरी तरह से कांग्रेस के पाले में खड़ा नजर आएगा। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली के चुनावी मैदान में उतर कर पहली जनसभा कर सकते हैं। राहुल गांधी को जोर-शोर से दिल्ली में चुनावी जनसभाएं, रोड शो और रैलियां करनी ही चाहिए। लेकिन उन्हें कांग्रेस के पूरे चुनाव प्रचार अभियान को व्यक्तिकेंद्रित ही बनाना चाहिए और इसे जमीनी धरातल पर उतर कर क्रियान्वित भी करना चाहिए। गौर करने वाली बात यह है कि ब्राह्मण मतदाताओं का बड़े पैमाने पर साथ आना अन्य अगड़ी जातियों को भी कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रेरित कर सकता है।

दिल्ली के चुनाव 'आप' के लिये परीक्षा की घड़ी

ललित गर्ग

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है। कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को पाने की जद्दोजहद में जुटी है। सबसे दिलचस्प एवं रोमांचक इस चुनाव में देखना है दिल्ली की जनता किसके सर पर ताज पहनाती है?

चुनाव की घोषणा से पहले ही तीनों राजनीतिक दल आम मतदाता को लुभाने के लिये तरह-तरह की घोषणाएं करते हुए जनता से मुखातिब हो रहे हैं, जनता के बीच जा रहे हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं। 'आप' तमाम तरह की संकट एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बावजूद मजबूती बनाये हुए है, क्योंकि आप-सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, जैसेकि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक और मुफ्त बिजली, साथ ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और वरिष्ठ नागरिकों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराना उसकी ताकत बनी हुई है। नयी घोषणाओं के साथ वह अपनी इस ताकत को बढ़ाते हुए 'आप' ने महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने देने, बुजर्गों को फ्री इलाज, ऑटो चालकों को 10 लाख का बीमा देने, पंडितों एवं ग्रंथियों को 18 हजार प्रतिमाह जैसी कई योजनाओं का ऐलान किया है, जो पूरे चुनाव का रुख मोड़ सकती हैं। 'रेवड़ी पर चर्चा' जैसी मुहिम से 'आप' हर वोटर के घर तक पहुंच रही है। पब्लिक को बार-बार याद दिला रही है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। लेकिन 'आप' के खिलाफ सरकार में 10 साल रहने की वजह से सत्ता विरोधी लहर काफी बढ़ गई है। कई वोटर बदलाव की जरूरत महसूस

करते हैं। दिल्ली का विकास अवरुद्ध है, वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं की भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी हुई है। 'शीश महल' विवाद ने अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पार्टी की साफ सुथरी छवि धूमिल हुई है। इसके अलावा मतभेद की वजह से कई नेता छोड़ गए, इससे केजरीवाल की जीत की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। लगता है कि 'आप' की उलटी गिनती तो शुरु हो गयी है, देखना है वह कहां जाकर रूकती है।

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार सिर्फ़ 49 दिनों तक चल पाई। अरविंद केजरीवाल ने फ़रवरी 2014 में ये कहते हुए इस्तीफ़ा दे दिया कि दिल्ली विधानसभा में संख्या बल की कमी की वजह से वो जन लोकपाल बिल पास कराने में नाकाम रहे हैं, इसलिए फिर से चुनाव बाद पूर्ण जनादेश के साथ लौटेंगे। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए 'आप' ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। वर्ष 2020 में भी आप ने जीत का कीर्तिमान बनाते हुए 62 सीटें जीती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफ़ी रोचक होने वाला है लेकिन यह 'आप' के लिये चुनौतीपूर्ण होने के साथ संकटपूर्ण है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर भाजपा केजरीवाल को घेरने की पुरज़ोर कोशिश कर रही है। आप को भाजपा ही नहीं, कांग्रेस से भी बड़ा खतरा है। भाजपा ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोलते हुए उसे दिल्ली के लिये 'आप-दा' यानी बड़ा संकट कह दिया है। आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, एलजी ऑफिस के साथ टकराव और कई अन्य फैसले 'आप' की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव इसलिए ज्यादा ही महत्वपूर्ण है कि इसका असर राष्ट्रव्यापी होता है। दिल्ली सरकर की सांविधानिक शक्तियां भले ही सीमित हों, मगर राष्ट्रीय मीडिया के केंद्र में होने के नाते इसके नेताओं को तुरंत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बन जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि दिल्ली को एक मॉडल स्टेट बनना चाहिए था, मगर न यह विकास का मॉडल बन सका और न ही सुचारू सुशासन प्रणाली का। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था एवं विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी की दुर्दशा एवं ठहरा हुआ विकास एक बदनुमा दाग है, विडंबना यह है कि इसके लिए 'आप' सरकार दोषी होते हुए भी क्या आम जनता की अदालत में दोषी साबित होगी? भाजपा, कांग्रेस और आप तीनों के लिए यह विधानसभा चुनाव करो या मरो की स्थिति वाला है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों से केंद्र में सरकार बनाने वाली और दिल्ली की सभी संसदीय सीटें लगातार जीतने के बावजूद भाजपा पिछले 26 वर्षों से राजधानी की सत्ता से दूर है। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम में दशकों से कायम उसकी सत्ता भी छिन चुकी है। ऐसे में इस टीस को वह इस विधानसभा चुनाव में जरूर दूर करना चाहेगी और इसके लिये उसकी तैयारी ही केजरीवाल के लिये संकट का बड़ा कारण है। विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी रोचक होने जा रहा है क्योंकि इसके नतीजे राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करेंगे और सबसे ज्यादा, आम आदमी पार्टी के भविष्य को तय करेंगे।

दिल्ली की यह चुनावी लड़ाई इस मायने में खास नहीं कही जाएगी कि इस बार भी वही तीनों दल प्रमुखता से मैदान में हैं, जो पिछले चुनावों में थे। 'आप' के अस्तित्व में आने के बाद से यहां त्रिकोणिय मुकाबला ही हो रहा है। यह अलग बात है कि इस अपेक्षाकृत नई पार्टी ने एक बार वर्चस्व स्थापित होने के बाद यहां अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी। पिछले दो चुनावों में उसे दिल्ली की जनता से शानदार बहुमत मिला। नई और दो राज्यों में सत्तारूढ़ होने के बावजूद 'आप' ने मुफ्त की संस्कृति एवं आक्रामक शैली की राजनीति से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस आक्रामकता एवं मुफ्त की संस्कृति ने जहां 'आप' को नई धार दी है, ताकत दी, पहचान दी वहीं अन्य दलों के साथ उसके संबंधों को भी सहज-सामान्य होने से रोका है। धीरे-धीरे उसकी यही ताकत उसकी कमजोरी बनती जा रही है। भाजपा एवं कांग्रेस भी उस पर हमले करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। इसमें खास बात सिर्फ यही है कि छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप दोनों ही विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में शामिल थे और भाजपा पर संयुक्त हमला कर रहे थे। जाहिर है, इनके बीच की तीखी बयानबाजी इंडिया गठबंधन के अंदर असहजता पैदा कर रही है और शिवसेना (यूबीटी) जैसे दल इनसे संयम बरतने की अपील भी कर चुके हैं। जिस तरह से विधानसभा चुनाव-2025 लड़ा जा रहा है, उससे साफ है कि नतीजा चाहे जो भी हो उसके निहितार्थ दूर तक जाएंगे। दिल्ली की सत्ता 'आप' के आंतरिक समीकरण के लिहाज से भी अहम है। ऐसे में वह हर हाल में अपनी कामयाबी दोहराना चाहेगी। लेकिन इस चुनाव में परीक्षा सिर्फ इन राजनीतिक पार्टियों की नहीं, बल्कि दिल्ली के मतदाताओं की भी होगी कि वे अपनी समस्याओं के प्रति कितनी सजगता दिखाते हैं? इस बार दिल्ली की जनता को अपने हित की बजाय दिल्ली के हित में सोचना है। देखना है कि क्या जनता स्वहित के चलते आधे इंजन की सरकार बनायेगी या दिल्ली के समग्र एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन के लिये डबल इंजन की सरकार बनायेगी।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

यहाँ पहिले श्लोक में गीतगोविन्द के रचयिता जयदेव ने अपने पिता का नाम भोजदेव और भाता का नाम रामादेवी बताया है तथा ये तिन्दुबिल्व नामक ग्राम के रहने वाले बंगालो ब्राह्मण थे यह सब इतिहास-वेत्ता जानते हैं। परन्तु वोपदेव ने अपने बनाए धातुपाठ में अपने को धनेश का शिष्य और वैद्यराज केशव जी का पुत्र प्रकट किया है - यह उपर्युक्त: दूसरे श्लोक से स्पष्ट है। बोपदेव जी द्रविड़ ब्राह्मण थे और हिमाद्रि मन्त्री के आश्रित थे, यह भी प्रसिद्ध बात है। ऐसी दशा में एक बंगाली और दूसरे द्रविड़ तथा भिन्न 2 पिताओं से पैदा हुए दो व्यक्तियों को भाई बताना सिवा अल्पज्ञता के और क्या बात हो सकती है। अस्तु,

इसके अतिरिक्त वोपदेव हिमाद्रि का आश्रित था और हिमाद्रि ने सं0 1347 में दक्षिणदेशस्थ अलदी ग्रामवासी महात्मा ज्ञानेश्वर जी से गीता के ऊपर विज्ञानेश्वरी नाम की टीका बनवाई थी। इसलिये वोपदेव विक्रम की चौदहवीं शताब्दी में हुआ यह निविवाद है। परन्तु दयानन्दजी ने अपने सत्यार्थप्रकाश पृ0 286 में आद्यशङ्कराचार्य जी को पैदा हुए 22 सौ वर्ष लिखे हैं, अर्थात् वे उन्हें 200 वर्ष पूर्व विक्रम मानते हैं। उक्त शङ्कराचार्य जी ने वासुदेवस्सहस्र नामक ग्रन्थ का भाष्य बनाया है जिसमें -55, 137 और 215वें नाम की व्याख्या करते हुवे भागवत के श्लोक उद्धृत किये हैं तथा अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ चतुर्दश मतविवेक मे श्रीमद्भागवत को इस प्रकार स्मरण किया है यथा- परमहंसधर्मो भागवते पुराणे कृष्णेन उद्धवायोपदिष्ट: । यदि भागवतपुराण बोपदेव का बनाया होता तो उससे 800 वर्ष पूर्व उत्पन्न होने वाले शङ्कराचार्य जी के ग्रन्थों में भागवत के श्लोक कसे उद्धृत किये जाते ? इसलिए भागवत का कर्ता वोपदेव बताना अपनी इतिहासानभिज्ञता का परिचय देना है।

क्रमश: ...

मकर संक्रांति

दिव्यांशी भदौरिया

इस साल मकर संक्रांति का त्योहार 14 जनवरी 2025, मंगलवार को पड़ रहा है। मकर संक्रांति का त्योहार पूरे देश में मनाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। सूर्य का मकर राशि में प्रवेश करने से खरमास समाप्त हो जाता है। इसके साथ ही मांगलिक कार्य शुरु हो जाते हैं। ऐसे में जो व्यक्ति इस दिन कुछ उपाय करता है, तो उसके घर में साल भर धन-धान्य का भंडार भरे रहेंगे। आइए आपको बताते हैं मकर संक्रांति के दिन कौन से उपाय करने चाहिए।

मकर संक्रांति 2025 के उपाय

- मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव की पूजा करने के बाद घर के मुख्य द्वार को जल से धोकर शुद्ध कर लें और फिर मेन

गेट पर हल्दी की 5 गांठ कलावे में लपेटकर बांध दें। ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी। इसके साथ ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

- इस दिन ग्रह दोष से छुटकारा पाने के लिए गंगा स्नान करना सबसे उत्तम उपाय माना जाता है। अगर आप गंगा नदी में जाकर स्नान करने में सक्षम नहीं है तो आप घर में ही स्नान वाले पानी में गंगाजल मिलाकर नहाएं। ऐसा करने से ग्रह दोष भी दूर होते है।

मकर संक्रांति के दिन सफेद तिल का दान करे। इसके अलावा आप सफेद तिल को जल में मिलाकर पीपल के पेड़ की जड़ में अर्पित करें। ऐसा करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसके साथ ही पितृ दोष भी शांत होगा।

- इस दिन सूर्य को अर्घ्य देते समय में जल में लाल चंदन को मिला लें। फिर सूर्य देव को अर्पित करें। इसके साथ ही सूर्य देव के आदित्य ह्रदय स्तोत्र का पाठ जरुर करें। अगर आप यह मंदिर के सामने बैठकर पाठ करेंगे तो सूर्य कुंडली में मजबूत रहेगा।

- इस दिन खिचड़ी बनाने का महत्व है। मकर संक्रांति के दिन घर में खिचड़ी बनाकर अपने इष्ट देव को भोग लगाएं और इसके बाद उस खिचड़ी को खाएं, इसके साथ ही आप भूखें व्यक्ति को खिलाएं । ऐसा करने से धन-धान्य में वृद्धि होती है।

-धर्म और ज्योतिषशास्त्र के अनुसार मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ खाने और दान करने से कुंडली में शनि और सूर्य की अशुभ स्थिति से शांति मिलती है। शास्त्रों में काले तिल का संबंध शनि और गुड़ का संबंध सूर्य से बताया गया है। मकर सक्रांति के दिन इन दोनों चीजों को खाने से शनि और सूर्य देव की कृपा बनी रहती है।

नदी में स्नान करने का महत्व

मकर संक्रांति के दिन गंगा या किसी अन्य पवित्र नदी में स्नान करना काफी पुण्यकारी माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस दिन स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है। इस दिन दान करना विशेष माना जाता है। मकर संक्रांति के दिन जरुरतमंद लोगों को गुड़, तिल, खिचड़ी और गर्म कपड़े आदि का दान करते है।

आस्था का कुंभः शाश्वत परंपराओं का संगम

शास्त्री कोसलेन्द्रदास

वैदिक सनातन धर्म के सर्वाधिक प्रतिष्ठित कुंभ पर्व का आरंभ प्रयाग में हो रहा है। जिस प्रकार सनातन धर्म के आरंभ को कोई नहीं जानता, वैसे ही कुंभ के उद्गम और उसके विकास को भी कोई नहीं जानता। यह एक पारंपरिक धार्मिक व सांस्कृतिक प्रक्रिया है, जो निश्चित कालावधि में संपन्न होती है। कुछ विद्वान इसकी उत्पत्ति वेदों से मानते हैं। धर्मशास्त्रकारों का कहना है कि यह सुर-असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से शुरू हुआ। वहीं, संत साहित्य के विद्वानों के अनुसार, शांकर संप्रदाय के संन्यासियों और रामानंद संप्रदाय के बैरागी साधुओं ने आध्यात्मिक ऊर्जा देकर इसके बृहत स्वरूप को विकसित किया। पर आम लोग इसे धार्मिक मेले से अधिक नहीं मानते। आचार्यों, साधु-संतों और विद्वानों को समझाना होगा कि कुंभ केवल मेला नहीं, बल्कि मानव कल्याण के लिए धर्म का उदात्त प्रयोग है, जिसमें ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से अमृत की खोज करनी है।

यह अमृत समाज को अमरता दे सकता है। मानव को देवता बना सकता है। इसी अमृत की लालसा लिए असंख्य श्रद्धालु कुंभ में तीर्थस्नान कर स्वात्म-धन्यता का बोध करते हैं।

कुंभ शब्द पुराना है, जिसका अर्थ है कलश या घट। स्पष्ट है कि कुंभ का संबंध अमृत कलश से है, जिसे देवों व दानवों ने समुद्र को मथकर निकाला था। पुराणों में यही अमृत कलश लेकर भगवान धन्वंतरि प्रकट हुए थे। इस कलश को पाने के लिए हुई छीना-झपटी में अमृत की कुछ बूंदें चार स्थानों पर छलक पड़ी थीं। उन स्थानों में से एक प्रयाग है। महाभारत में इसी अमृत कलश को कश्यपनंदन गरुड़ अपनी माता विनता को दासत्व से मुक्त करवाने के लिए स्वर्ग से लाए थे। तभी अमृत कुंभ से निस्सृत अमृत कण प्रयाग आदि स्थानों पर गिरे थे। यह अमृत गंगा और यमुना के उन जलकणों में है, जिन्हें पाने

के लिए असंख्य लोग अपनी सुख-सुविधा छोड़कर संगम किनारे पहुंचते हैं। यह अलौकिक हो जाने का ऐसा शास्त्रीय भाव है, जिसमें आस्था और परंपरा के साथ जातिमुक्त सामाजिक संगम होता है।

कुंभ के आयोजन की पुण्यभूमि प्रयाग की महिमा अकथनीय है। गंगा-यमुना के संगम का पुरातनतम निर्देश ऋग्वेद (10/75) में है - सितासिते सरिते यत्र संगते पत्राप्लुतासो दिवमुत्पतन्ति। ये वै विसृजन्ति धीरास्ते जनासो अमृतत्वं भजन्ते।। - जो लोग श्वेत यानी गंगा और कृष्ण यानी यमुना, इन दो नदियों के मिलन-स्थल संगम पर स्नान करते हैं, वे अमृत (मोक्ष) प्राप्त कर लेते हैं। जगत्कर्ता ब्रह्मा ने यहां यज्ञ किया था, इसी से यह क्षेत्र %प्रयाग% कहलाया। संगम का पुरातन वर्णन वाल्मीकि-रामायण में है। भगवान श्रीराम ने माता सीता और अनुज लक्ष्मण को प्रयाग की महिमा बताई थी। पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा प्रशंसित होने पर पुण्यभूमि प्रयाग को %तीर्थराज% की उपाधि मिली। प्रयाग में गंगा, यमुना एवं सरस्वती नदियों के मिलन से यह %त्रिवेणी% हो गया। ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर प्रयाग में सदा विराजते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीरामचरितमानस में लिखा है - को कहि सकइ प्रयाग प्रभाऊ, यानी प्रयाग का प्रभाव (महत्ता) कौन कह सकता है!

कुंभ ज्ञान और उपासना का केंद्र है। इसमें केवल अगाध जलराशि का ही संगम नहीं होता, बल्कि बहुविध विचारों का संगम भी होता है। इसमें ज्ञान, वैराग्य व भक्ति के वाहक साधु-संतों की अद्भुत त्रिवेणी सृजित होती है। शैवों और वैष्णवों के साथ ही विभिन्न सगुणी और निर्गुणी संतों द्वारा किए जाने वाले स्नान और अनुष्ठान लोगों को सहज ही सम्मोहित और प्रभावित करते हैं।

भारत रत्न डॉ. पांडुरंग वामन काणे ने धर्मशास्त्र के इतिहास में लिखा है कि हिंदू समाज बहुत-सी जातियों में विभक्त होने से जाति-संकीर्णता में फंसा रहा है, पर तीर्थयात्राओं ने सभी को पवित्र नदियों व स्थलों में एक स्थान पर साथ-साथ बैठा दिया है। तीर्थों से संबंधित परंपराओं, तीर्थयात्रियों की संयमशीलता, पवित्र व दार्शनिक लोगों के समागम व तीर्थों के वातावरण ने तीर्थयात्रियों को उच्च आध्यात्मिक स्तर पर अवस्थित किया है। इससे उनके मन में ऐसी श्रद्धा-भक्ति की भावना भर उठती थी, जो तीर्थयात्रा से लौटने के उपरांत भी दीर्घकाल तक उन्हें अनुप्राणित किए रहती थी।

प्रयाग में तीन नदियों का प्राकृतिक संयोग है, जिससे इसे तीर्थों के राजा होने का शास्त्रीय गौरव प्राप्त है। ऋग्वेद (5/53/9) में जिन 20 नदियों के नाम हैं, उनमें सरस्वती, सरयू और सिंधु को माता के रूप में उल्लिखित किया गया है। ऋग्वेद काल में सरस्वती विशाल जलपूर्ण नदी थी और यह यमुना एवं शुतुद्रि के बीच बहती थी, पर ब्राह्मण-ग्रंथों के काल में ही यह रेतीले स्थलों में अंतर्हित हो गई थी। प्रयाग में यह आज भी अंतर्हित है। भारत की धार्मिक और सामाजिक एकता में तीर्थ स्थानों ने अति महत्वपूर्ण योगदान किया है। रवींद्रनाथ ठाकुर ने %साधना% में लिखा था - %भारतवर्ष ने तीर्थयात्रा के स्थलों को वहां चुना, जहां प्रकृति में कुछ विशिष्ट रमणीयता और सुंदरता थी, जिससे व्यक्ति का मन संकीर्ण आवश्यकताओं से ऊपर उठकर अनंत ईश्वर में अपनी स्थिति का परिज्ञान कर सके।% भारतीयों का विश्वास रहा है कि तीर्थों में जाकर पवित्र नदियों में स्नान करने से मनुष्य के पाप कटते हैं। महाभारत और कूर्मपुराण ने माघ मास में गंगा-यमुना के संगम में स्नान की महत्ता का बखान किया है। नारायण भट्ट के त्रिस्थलीसेतु के अनुसार, प्रयाग में स्नान के विशिष्ट दिवस मकर-संक्रांति, रथसप्तमी और माघी अमावस्या हैं। कुंभ पर्व में इनके साथ पौष पूर्णिमा, वसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि भी जुड़ गए हैं। काशी के महामहोपाध्याय पंडित हरप्रसाद शास्त्री ने 1939 ईस्वी में प्रकाशित कवींद्रचंद्रोदय में शाहजहां द्वारा दी गई प्रयाग की यात्रा के लिए कर की छूट का उल्लेख किया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-%अबोध भारतीय, दरिद्र भारतीय, ब्राह्मण या किसी भी जाति का भारतीय, सभी आपस में भाई हैं।% कुंभ पर्व सबसे मिलकर बनता है। यह सभी का है। यह सर्वे भवन्तु सुखिनः का सनातन प्रयोग है, जो लोगों को बुलाकर अमृत बांटता है और उन्हें अमरता देता है। वास्तव में कुंभ पर्व आने-जाने वाला कालमात्र नहीं है, बल्कि यह तो हमारे जीवन और साहित्य में पूरी तरह से रचा-बसा है।

आज का इतिहास

1784 अमेरीकी स्वतंत्रता संग्राम में विजय के बाद सरकार ने ब्रिटेन के साथ शांति संधि की।

1795 उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय, चैपल हिल में छात्रों के लिए खोला गया, संयुक्त राज्य अमेरिका का पहला राज्य विश्वविद्यालय है।

1814 स्वीडन और डेनमार्क-नॉर्वे ने कील की संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत डेनमार्क के फ्रेडरिक VI ने पोमेरानिया में स्वीडिश होल्डिंग्स के बदले नॉर्वे को स्वीडन को सौंप दिया।

1900 जियाकोमो प्यूकिनी का ओपेरा टोस्का, फ्रांसीसी नाटककार विक्टोरियन सरदो के नाटक ला टोस्का पर आधारित है, जिसका प्रीमियर रोम के टेट्रो कोस्टानज़ी में हुआ था।

1907 किंग्स्टन, जमैका में 6.5 मेगावॉट का भूकंप आया, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 800 मौतें हुईं, जो उस समय इतिहास में दर्ज दुनिया के सबसे घातक भूकंपों में से एक माना जाता था।

1907 कैरीबियाई देश जमैका की राजधानी किंग्सटन में आये विनाशकारी भूकंप में 1000 से अधिक लोग मारे गये।

1912 रेमंड पोंकारे फ्रांस के प्रधानमंत्री बने।

1943 विंस्टन चर्चिल, फ्रेंकलिन डी. रूजवेल्ट, चार्ल्स डी गॉल और हेनरी जीरूद द्वितीय विश्व युद्ध के अगले चरण के लिए मित्र देशों की यूरोपीय रणनीति की योजना बनाने के लिए कैसाब्लांका शहर में मिले थे।

1953 जोसिप ब्रोज़ टीटो का उद्घाटन यूगोस्लाविया के पहले राष्ट्रपति के रूप में किया गया था।

1954 नैश-केल्विनेटर और हडसन मोटर कार कंपनी %बिग थ्री% को एक समान रूप से चुनौती देने में सक्षम एक मल्टी ब्रांड कंपनी बनाने के प्रयास में अमेरिकी मोटर्स बनने के लिए विलय कर दिया।

1957 कृपालु महाराज हिंदू धर्म के सर्वोच्च आध्यात्मिक नेता, पांचवें जगद्गुरु बन गए।

1967 काउंटरकल्चर ह्यूमन बी-इन को सैन फ्रांसिस्को के गोल्डन गेट पार्क में आयोजित किया गया था, जिसमें समर ऑफ लव लॉन्च किया गया था।

1973 ई से एल्विस प्रेस्ली के संगीत कार्यक्रम अलोहा को उपग्रह के माध्यम से लाइव प्रसारित किया गया था, और टेलीविजन इतिहास में एक व्यक्तिगत मनोरंजनकर्ता द्वारा सबसे ज्यादा देखे जाने वाले प्रसारण के रूप में एक रिकॉर्ड स्थापित किया।

रक्षा क्षेत्र में कायापलट की तैयारी

अरुणेंद्र नाथ वर्मा

वर्ष 2024 बीत गया, पर रूस-यूक्रेन युद्ध की विभीषिका शांत नहीं हो सकी। इसी वर्ष फिलिस्तीन-इस्राइल में लगी चिंगारी मध्य-पूर्व के कई देशों में आग बनकर फैल गयी। वर्ष का अंत आते-आते विभिन्न देशों में आंतरिक आतंक और विनाश का तांडव भी होने लगा। अमेरिका सहित अनेक देशों में आतंकियों के विध्वंसक बम और आत्मघाती हमले तबाही मचाने लगे। लेकिन गत वर्ष अपेक्षाकृत सौभाग्यशाली भारत शत्रु देशों के खुले हमलों का शिकार नहीं बना और चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कुछ कम ही हुआ। पाकिस्तान और बांग्लादेश के नये प्रशासन की नजदीकी के बावजूद पूर्वी सीमा पर युद्ध जैसी स्थिति की आशंका नहीं है। पर सकल विश्व में हो रही हलचलों के संदर्भ में भारत यह कभी नहीं भूल सकता कि स्वतंत्रता की कीमत सतत सुरक्षा होती है।

देश के अंदर मणिपुर की आग लगातार सुलग रही है, यद्यपि नक्सली क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की हालिया सफलता संतोषप्रद है। इन सारी स्थितियों के मद्देनजर विकासशील भारत की सीमाओं की सुरक्षा और आंतरिक अमन-चैन का उत्तरदायित्व रक्षा मंत्रालय के सामने बड़ी चुनौती बनी रहेगी। रक्षा मंत्री ने इन चुनौतियों का सामना करने के लिए इस वर्ष को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया है। उन्होंने सेना और उसके सभी सहायक अंगों एवं संस्थानों के सुधार के लिये नये वर्ष में पूरे किये जाने वाले लक्ष्य निर्धारित किये हैं। रक्षा मंत्रालय के सुधारों के व्यापक उद्देश्य दो तरह के हैं। पहली श्रेणी के सुधारों से देश के नागरिक परिचित हैं। ये सुधार और इनके नतीजे देश की आर्थिक तरक्की से स्पष्टत: जुड़े हुए हैं। उदाहरण के लिए, रक्षा तंत्र के लिए साजो-सामान एवं नवीनतम हथियारों के निर्माण, खरीद और अधिग्रहण की प्रक्रिया को सरल, प्रभावशाली एवं गतिशील बनाने वाले सुधार।

भारतीय वायु सेना में लड़ाकू विमानों की संख्या निर्धारित 45 स्क्वाड्रन से बहुत कम हो जाने के बावजूद राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमान जुटाने में सत्रह साल लगे थे। अब तीनों सेनाओं के लिए आधुनिकतम शस्त्रास्त्र जुटाने की प्रक्रिया इतनी लचर नहीं रह गयी है। नयी आणविक पनडुब्बी या आकाशीय सुरक्षा (एयर डिफेंस) के लिए अत्याधुनिक प्रणाली की खरीद जैसी बेहद जटिल और महंगी प्रक्रिया अब जाहिरा तौर पर सरलीकृत बनायी जा चुकी है।

दूसरा क्षेत्र, जिसमें सुधार की आवश्यकता आम नागरिक समझता है, वह युद्ध विज्ञान की नयी तकनीक और तरीकों का है। आज सारे विश्व में तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रगति के कारण युद्ध की पारंपरिक छवि में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहे हैं। पारंपरिक गोला-बारूद से लड़े जाने वाले युद्ध ने साइबर युद्ध और मनोविज्ञानिक युद्ध जैसे नये मुखौटे पहन लिये हैं। एआइ, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, हाइपरसोनिक जैसी नयी तकनीकें युद्ध कला में अकल्पनीय परिवर्तन ला रही हैं। इन सभी क्षेत्रों में रक्षा मंत्रालय जरूरी कदम उठायेगा। इसी तरह तय है कि भविष्य में युद्ध जमीनी सीमाओं से उठकर अंतरिक्ष तक में लड़े जायेंगे। आशा है कि अंतरिक्ष में उपग्रहों की डॉकिंग (साथ जुड़ने) के प्रयोग के सफल होते ही भारत

अमेरिका, रूस एवं चीन के साथ चौथी अंतरिक्ष शक्ति बन जायेगा।

अंतरिक्ष की उपलब्धियों से देश के रक्षा तंत्र को और सुदृढ़ करने की दिशा में भी नये कदम उठाने का रक्षा मंत्री का आह्वान प्रशंसनीय है। इसी तरह रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान के बेहद महत्वपूर्ण योगदान को और सुदृढ़ करने के लिए रक्षा निर्माण में सरकारी तंत्र को निजी क्षेत्र के उपक्रमों और संगठनों के साथ जोड़ने वाले सुधारों की आवश्यकता सब समझते हैं। पर रक्षा मंत्री की घोषणा में सबसे महत्वपूर्ण सुधार से देश का आम आदमी अपरिचित है। यह सुधार देश की सशस्त्र सेनाओं में एकीकृत सैन्य कमान प्रणाली स्थापित करने की दिशा में है। फिलहाल तीनों सेनाओं का वर्तमान संगठन देश को भौगोलिक इकाइयों में बांट कर किया गया है। उदाहरण के लिए, थल सेना और वायु सेना की पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और केंद्रीय कमानें देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अपने-अपने संसाधनों का इस्तेमाल कर अपने क्षेत्र की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं।

इनके अतिरिक्त, वायु सेना में मेंटेनेंस कमान और स्थल तथा वायु सेना में प्रशिक्षण कमान भी हैं। लेकिन नयी घोषणा के अनुसार देश की बहुविध सुरक्षा के लिए दो या तीन थियेटर कमान बना कर जल, थल और नभ (आगे चलकर अंतरिक्ष में भी) में सारे संसाधन एक कमांडर या थियेटर सेनापति को सौंप देने की योजना है। इस नयी नीति की घोषणा प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2019 को की थी। अगले वर्ष चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ पद पर जनरल बीपी रावत की नियुक्ति भी कर दी गयी। लेकिन उनकी अकाल मृत्यु के बाद से इस योजना के कार्यान्वयन की कोई खबर नहीं आयी।

सैन्य विशेषज्ञों में इस विषय पर आम सहमति नहीं है। कुछ का मानना है कि इससे सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा और युद्ध काल में तुरंत निर्णय और तुरंत कार्यान्वयन में मदद मिलेगी। वहीं विरोधी स्वर कहते हैं कि जब संसाधन बहुत सीमित हों तो सेनाध्यक्ष जिस भौगोलिक क्षेत्र में जरूरत पड़े उन्हें वहां भेजकर उनका बेहतर उपयोग कर सकेगा। किस थियेटर में कौन सेनापति स्थानीय थियेटर कमान की अध्यक्षता संभाले, यह भी उलझन पैदा करेगा। जुदा-जुदा सेनाध्यक्षों का काम तब शायद रेज-ट्रेन-सस्टेन तक ही सीमित रह जायेगा। संसाधनों का वितरण भी उलझन भरा प्रश्न है। मसलन अंतरिक्ष में संसाधनों पर कौन नियंत्रण रखेगा। थियेटर कमांडर किसके प्रति जवाबदेह होगा-रक्षा मंत्री के प्रति या चीफ ऑफ स्टाफ्स समिति के प्रति। एकीकृत ऑपरेशंस कक्ष का संचालन किसके हाथ में होगा।

अमेरिका में संयुक्त कमान की अनुशंसा गोल्ड वाटर निकोस समिति ने 1986 में की, लेकिन उसका पूरा कार्यान्वयन होते-होते कई दशक निकल गये थे। चीन ने भी एकीकृत कमान की नीति अपनाने का निर्णय 2015 में लिया, लेकिन क्रियान्वयन में कई वर्ष लग गये। इन देशों के सामने एकीकृत कमान पद्धति के नीतिगत निर्णय को व्यावहारिक जामा पहनाने में बहुत सी दिक्कतें आयीं। इसके मद्देनजर भारत में एकीकृत कमान का दूरगामी निर्णय इसी वर्ष के अंदर संपन्न करने की घोषणा सैन्य विशेषज्ञों के लिए कौतूहल का विषय है। बेहतर होगा कि पहले अंडमान व निकोबार से कच्छ तक सारी चुनौतियां और सैन्य संसाधन मेरी टाइम कमान को सौंपने के या सारे देश की आकाशीय सुरक्षा एयर डिफेंस कमान को सौंपने के पायलट प्रोजेक्ट को आजमा लिया जाए।

बहुकोणीय बनते दिल्ली विधानसभा चुनाव?

अवधेश कुमार

चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित हो चुकी है। 5 फरवरी को मतदान होगा और 8 फरवरी को परिणाम आएगा। इस चुनाव के बीच ऐसे मुद्दे उठ रहे हैं जिन पर पूरा देश वैचारिक रूप से विभाजित है। 2014 के बाद दिल्ली की राजनीति आम आदमी पार्टी बनाम भारतीय जनता पार्टी के बीच दो ध्रुवीय हो गई थी। इसके पूर्व यहां भाजपा और कांग्रेस ही मुख्य पार्टियां थीं। 2013 से कांग्रेस का पतन आरंभ हुआ और पिछले दो विधानसभा चुनाव से वह शून्य पर है। 2014 से लोकसभा चुनाव में भाजपा को एकतरफा सभी सीटों पर लगातार विजय मिली लेकिन विधानसभा में उसके लिए सम्मान बचाना संभव नहीं हुआ। 1998 से वह सत्ता से बाहर है और कुल 70 क्षेत्रों में उसे 2015 और 2020 के चुनावों में 10 भी प्राप्त नहीं हुई। इस बार भाजपा अगर सत्ता में आना चाहती है तो कांग्रेस दिल्ली की मुख्यधारा में वापसी की कोशिश में है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और दिल्ली के प्रमुख नेता अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए उन्हें देशद्रोही तक कहा तथा उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री स्व। शीला दीक्षित के पुत्र एवं पूर्व सांसद संदीप दीक्षित लगातार हमलावर तेवर अपनाए हुए हैं। प्रश्न है क्या इस बार पिछले दो विधानसभा चुनावों से अलग परिणाम आएगा? क्या सत्ता परिवर्तित होगी? क्या दिल्ली की राजनीति तीन ध्रुवीय होगी? पिछले चुनाव तक कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की नीति किसी तरह भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता में आने से रोकना था। इसके लिए वह हर तरह का समझौता कर रही थी। लोकसभा चुनाव में आप के साथ सीटों पर समझौता भी हुआ। कांग्रेस ने रणनीति बदली और वाकई दिल्ली में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके बावजूद कुछ समय पूर्व ऐसा लगता था कि आप तीसरी बार एकपक्षीय जीत प्राप्त कर सकती है। चुनाव या किसी संघर्ष में प्रतिद्वंद्वी को पराजित करने का सबसे बड़ा सूत्र आक्रामक होना है। यानी आप आक्रामक होकर प्रतिद्वंद्वी को उत्तर देने तक सीमित रख दीजिए। अरविंद केजरीवाल ने लगातार ऐसी घोषणाएं कीं और प्रहार किया जिसमें भाजपा के सामने उत्तर देने का ही विकल्प दिखता था। भाजपा और कांग्रेस दोनों केजरीवाल की घोषणाओं का तथ्यात्मक खंडन करती रहीं, उनकी विश्वसनीयता को भी अतीत के आधार पर प्रश्नों के घेरे में लाती रहीं लेकिन ऐसा नहीं था कि एजेंडा भाजपा तय कर रही हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव मैदान में उतरने तथा उम्मीदवारों की सूची जारी होने के साथ स्थिति बदलती दिख रही है। अरविंद केजरीवाल की सबसे बड़ी ताकत मुफ्त की घोषणाएं रही हैं। इस बार उनका सबसे बड़ा दांव मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18 हजार रुपया मासिक वेतन की घोषणा है। इसके पहले महिला सम्मान योजना 2100 तथा बुजुर्गों के लिए निजी एवं सार्वजनिक अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की संजीवनी योजना घोषित की। इस समय मुस्लिम मतदाताओं की राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का समर्थन करने की प्रवृत्ति उभरी है। कांग्रेस की आक्रामकता देखकर आप को लग रहा है कि दिल्ली के 11 से 12 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता उसके पास गए तो समस्या बढ़ जाएगी। दूसरे, केजरीवाल को समझ आ गया है कि देश में हिंदुत्व राजनीति का एक मुख्य निर्धारक विचारधारा के रूप में बना रहेगा। इसका ध्यान रखते हुए उन्होंने पुजारियों और ग्रंथियों के वेतन की घोषणा कर दी।

अमेरिका से क्यों अपना देश ही नहीं संभल रहा ?

अभिनय आकाश

ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाना चाहते हैं। वो ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। इसके साथ ही वो पनामा नहर पर कब्जा करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान साबित करना। लेकिन खुद को सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। आग जब जंगलों से निकलकर शहरों तक पहुँचती है तो भीषण तबाही आती है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजलिस जैसे बड़े शहर को अपनी चपेट में ले लिया है। ये आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं जिसे रोकना फायर डिपार्टमेंट के लिए एक चुनती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी-130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे ये प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं।

आग तेज हवाओं के चलते जंगलों से रिहाइशी इलाकों में फैलती जा रही है। आलम ये है कि 10 एकड़ के दायरे में लगी आग कुछ ही घंटों में तकरीबन 2900 एकड़ में फैल गई। इसके चलते लांस एंजेलिस में स्टेट ऑफ इमरजेंसी का ऐलान कर दिया गया है। लोग घर छोड़कर भाग रहे हैं। आग से करीब 1100 इमारतें पूरी तरह जलकर खाक हो गई हैं और 28 हजार घरों को नुकसान पहुंचा है। वहीं अधिकारियों ने करीब 70 हजार लोगों के घर खाली कराने के आदेश दिए हैं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस आग में कई हॉलीवुड सेलिब्रेटी के घर भी जलकर खाक हो गए हैं। इन सेलिब्रिटीज में बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं।

इस आग को अबतक की सबसे विनाशकारी घटनाओं में से एक माना जा रहा है। स्थानिय पुलिस और दमकल विभाग इसे संभावित अपराध मानकर जांच कर रहे हैं। वेस्ट हिल्स के विक्ट्री ट्रेल हेड से ये आग शुरू हुई और देखते

ही देखते 800 एकड़ में फैल गई। पुलिस विभाग ने बयान जारी कर कहा है कि आज शाम 4:32 पर यावरा रॉड के 2170 ब्लॉक पर संभावित आगजनी के संदिग्ध के लिए रेडियो कॉल में एक पुरुष को ये कहते हुए सुना गया कि एक संदिग्ध आग जलाने का प्रयास कर रहा था। संदिग्ध हिरासत में है और उसे तोपंगा स्टेशन ले जाया गया है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आग की वजह से अपना इटली का दौरा रद्द कर दिया है। जो बाइडन ने कहा कि हम आग को रोकने में मदद के भी करने को तैयार है। चाहे कितना वक्त लगे। फेडरल गवर्नमेंट तब तक यहां रहेगी, जब तक आपको हमारी जरूरत होगी। डोनाल्ड ट्रम्प ने कैलिफोर्निया की आग के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन का जिम्मेदार ठहराया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि फायर हाइड्रेंट में पानी नहीं है, फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) के पास पैसा नहीं है। जो बाइडेन मेरे लिए यही सब छोड़कर जा रहे हैं। शुक्रिया जो। ट्रम्प ने एक अन्य पोस्ट में कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजकम पर तंज किया।

किन किन इलाकों में आग-पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है।

आग की तीन वजहें- शुष्क मौसम: अधिकारियों ने जंगल की इस आग के पीछे सूखे मौसम की तरफ इशारा किया है, जिसकी वजह से पेड़-पौधे सूख गए और उनमें आग फैलना आसान हो गया। लॉस ऐंजिलिस में 150 वर्षों का सबसे शुष्क मौसम है।

क्लाइमेट चेंज : पश्चिमी अमेरिका में बड़े पैमाने पर जंगलों में लगी भीषण आग का संबंध क्लाइमेट चेंज से है। बढ़ती गर्मी, लंबा सूखा और प्यासा वायुमंडल आग के इस खतरे के पीछे है।

सेंटा एना हवाएं: जमीन से समुद्र तट की ओर बहने वाली 100 किमी./घंटे की तेज हवाओं ने आग को तेजी से फैलाया। आग बुझाने में लगे विमान और हेलिकॉप्टर भी इस कारण से कई बार उड़ान नहीं भर पा रहे हैं।

अमेरिकी बीमा इंडस्ट्री को डर है कि यह अमेरिकी इतिहास में जंगलों में लगी सबसे महंगी आग साबित होगी, क्योंकि आग के दायरे में आने वाली संपत्तियों को करीब 8 अरब डॉलर के नुकसान की आशंका है। जब से आग लगी है, लूट के मामले भी बढ़े है। अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

लगभग 7500 फायर फाइटर्स को आग बुझाने के काम पर लगाया गया है। हेलिकॉप्टरों और सी-130 परिवहन विमानों से आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। रेस्क्यू टीम ने स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों और अन्य सुरक्षित जगहों को इमरजेंसी शेल्टर बनाया है। हालात ऐसे है कि कई जगहों पर फायर हाइड्रेट्स यानी आग बुझाने वाले यंत्र सूखे पड़े है। उनका पानी खत्म हो गया है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने आग के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन को जिम्मेदार ठहराया है। इस आग से पैरिस हिल्टन समेत कई हॉलिवुड स्टार्स के बंगले जल चुके है।

चुनावी रैलियों में महिलाओं को निशाना क्यों बनाया जाता है?

योगेंद्र योगी

महिलाओं की मर्यादा और सशक्तिकरण की पैरवी करने वाले नेता चुनाव आते ही सब कुछ भूल जाते हैं। नेता महिलाओं को चुनाव के दौरान हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने से बाज नहीं आते। महिलाओं के लिए अमर्यादित भाषा का उपयोग करने में किसी भी दल के नेता पीछे नहीं हैं। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि ऐसे मामलों में राजनीतिक दल अपने नेताओं का व्यक्तिगत बयान कह कर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। ऐसे में यदि नेता को लगता है कि ज्यादा विवाद हो गया है और इससे विशेषकर महिला वोटों का नुकसान हो सकता है तो बेशर्मी के साथ माफी मांग ली जाती है। ऐसे भी नेताओं की कमी नहीं है जिन्हें महिलाओं के प्रति ओछी टिप्पणी करने पर किसी तरह आत्मग्लानि नहीं होती, उल्टे वे रावण की तरह अहंकारी बन कर माफी मानने से साफ इंकार कर देते हैं।

महिलाओं के प्रति किए गए अपमान की इस फेहरिस्त में एक ओर नेता का नाम जुड़ गया है। भाजपा के कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी रमेश बिधुड़ी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद वह क्षेत्र की सड़कों को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के %गाल% जैसी बना देंगे। हालांकि, बाद में उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा यदि उनकी टिप्पणियों से किसी को ठेस पहुंची है तो वह खेद प्रकट करते हैं। प्रियंका गांधी पर की गई भद्दी टिप्पणी पर भाजपा के मौन साधने से विधूड़ी के हौसले और बुलंद हो गए। इसके बाद दिल्ली के रोहणी में एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री आतिशी पर निजी हमला करते हुए बिधूड़ी ने कहा कि आतिशी जो कि मारलेना थीं, अब वह सिंह बन गई हैं। यहां तक कि उन्होंने अपने पिता को बदल दिया। बिधूड़ी ने कहा कि यह आम आदमी पार्टी के चरित्र को दर्शाता है। बिधूड़ी के कथित बयान पर दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा, भाजपा महिला विरोधी है, यह एक खुला रहस्य है और यह चिंता का विषय है कि यही भाजपा दिल्ली की कानून व्यवस्था की प्रभारी है।

सार्वजनिक जीवन में महिलाएं पहनावे, वजन, रूप रंग या बर्ताव को लेकर भी अक्सर और महिला राजनेता पुरुष नेताओं के हाथों अश्लील, अभद्र और तौहीन भरी टिप्पणओं की शिकार होती रही हैं। चुनावी रैलियों में अक्सर राजनीतिक बयानबाज़ी में महिलाओं को निशाना बनाया जाता रहा है। वर्ष 2012 में नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में कांग्रेस नेता शशि थरूर की पत्नी सुनंदा थरूर के बारे में कहा था कि वाह क्या गर्लफ्रेंड है। आपने कभी देखी है 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड। इस पर पलटवार करते हुए शशि थरूर ने जवाब दिया था कि मोदी जी मेरी पत्नी 50 करोड़ की नहीं बल्कि अनमोल है, लेकिन आप को यह समझ में नहीं आएगा क्योंकि आप किसी के प्यार के लायक नहीं हैं। वर्ष 2012 दिसंबर में दिल्ली में निर्भया गैंगरेप के बाद पश्चिम बंगाल के जांगीपुर से कांग्रेस सांसद अभिजीत मुखर्जी ने इस मुद्दे पर कहा था कि विरोध में प्रदर्शनों में हिस्सा ले रही छात्राएं सजी-संवरी महिलाएं हैं, जिन्हें असलियत के बारे में कुछ नहीं पता। मुखर्जी ने कहा कि ये सजी संवरी महिलाएं पहले डिस्कोथेक में गईं और फिर इस गैंगरेप के खिलाफ़ विरोध दिखाने इंडिया गेट पर पहुंची। हालांकि इसके बाद सांसद मुखर्जी ने अपनी टिप्पणी के लिए माफ़ी मांग ली थी। वर्ष 2018 में जया बच्चन को समाजवादी पार्टी की ओर से राज्य सभा में फिर से नामांकित किया गया तो भाजपा नरेश अग्रवाल ने जया बच्चन को फिल्मों में नाचने वाली बताया। इसी तरह वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में आधार पर बयान के दौरान कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की हंसी पर मुस्कुराते हुए कहा था कि सभापति जी रेणुका जी को आप कुछ मत कहिए रामायण सीरियल के बाद ऐसी हंसी सुनने का आज सौभाग्य मिला है। बाद में केंद्र सरकार में राज्यमंत्री किरण रिजीजू ने फ़ेसबुक पर एक वीडियो शेयर कर रेणुका चौधरी की हंसी की तुलना रामायण के किरदार शूर्पणखा से कर डाली। इसके बाद भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने रामायण में शूर्पणखा की नाक काटे जाने का दृश्य भी ट्विटर पर शेयर किया। वर्ष 2018 में राजस्थान में चुनावी सभा में जनता दल (यू) के नेता शरद यादव ने तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर व्यक्तिगत टिप्पणी कर दी। यादव ने कहा कि इन्हें आराम दो, बहुत थक गई हैं। बहुत मोटी हो गई है, पहले पतली थी। इस पर वसंधुरा राजे ने कड़ा एतराज़ जताते हुए कहा कि वे इस बयान से अपमानित महसूस कर रही हैं। जद नेता शरद यादव की कमान से महिलाओं के प्रति फूहड़ अंदाज का ऐसा तीर पहली बार नहीं निकला। जून 1997 में संसद में महिला आरक्षण बिल पर बहस में यादव ने कहा था कि इस बिल से सिर्फ़ परकटी औरतों को फ़ायदा पहुंचेगा। परकटी शहरी महिलाएँ हमारी (ग्रामीण महिलाओं) का प्रतिनिधित्व कैसे करेंगी। गौरतलब है कि शरद यादव को सर्वश्रेष्ठ सांसद का अवॉर्ड मिल चुका है। महिलाओं पर विवादित बयानों की ये फ़ेहरिस्त लंबी है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादवन ने निर्भया बलात्कार कांड के बाद बयान दिया था कि लड़कों से ग़लती हो जाती है और इसके लिए उन्हें मौत की सज़ा नहीं देना चाहिए। इस काफी बवाल हुआ था। महिलाओं के प्रति अपमानजनक बोल बोलने के मामलों में सर्वाधिक आश्चर्य तो महिला आयोगों की भूमिका पर होता। महिला आयोग चाहे राज्य स्तर के हो या राष्ट्रीय स्तर के, सभी चुप्पी साधे रहते हैं। इन्हें महिलाओं के अपमान, दुर्व्यवहार की कोई चिंता नहीं हैं। चुंकि आयोगों में पदाधिकारियों की नियुक्यिां सत्तारुढ़ राजनीतिक दलों की ओर से की जाती है, ऐसे में आयोग सत्तारुढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस नहीं जुटा पाते।

देश के मतदाताओं को महिलाओं की बेइज्जती करने वाले नेताओं को सबक सिखाना चाहिए ताकि दूसरे नेता भी इससे सीख ले सकें कि निहित राजनीतिक स्वार्थों के लिए महिलाओं के सम्मान से समझौता करने वाला का हश्र क्या होता है। यही एकमात्र तरीका है जिससे नेताओं की जुबान पर लगाम लगाई जा सकती है।

अनेकता में एकता का प्रतीक महाकुंभ

निरंकार सिंह

इस साल दुनिया का सबसे बड़ा मानवीय समागम का महाकुंभ पर्वोत्सव उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य त्रिवेणी के संगम पर 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। अनेकता में एकता का जीता-जागता प्रतीक पर्व है कुंभ मेला। लोक-पर्व होकर यह मेला सहस्त्र वर्षों से जन-विश्वास का आधार बना रहा है। सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना से जुड़ा यह महाकुंभ पर्व, भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक अवधारणाओं का जीवन प्रतीक है। कुंभ पर्व, देश के समवेत सांस्कृतिक जीवन का व्यावहारिक उदाहरण है। इन्हीं पर्वों-मेलों ने हमारी भारतीयता (राष्ट्रीयता) को प्राणवान बनाए रखा है। हजारों वर्षों से चली आ रही कुंभ पर्व की इस सांस्कृतिक विरासत को हमारे देश के मनीषी चिन्तकों, पुराणकारों ऋषि-मुनियों, दार्शनिकों, धर्माधिकारियों अथवा साधु-सन्तों ने लोकांचलों में निवास करने वाले पठित-अपठित साधारण जनों तक पहुंचाया है। इस पर्व भावना के पीछे जीवंत आस्था और निष्ठा भाव ही कार्यशील रहा है। भारत भूमि का यह खंड यदि पवित्र और महत्वपूर्ण है तो इसलिए कि वह बाकी विश्व से जोड़ता है, इसलिए नहीं कि वह उसे दूसरों से अलग करके भूगोल की राष्ट्रीय सीमाओं में बांध देता है। विश्वासों की इन मर्यादाओं के परिवेश में ही एक मानव समूह की जीवन धारा, उसकी लय और लौ रूपायित होती है। यह उसकी सांस्कृतिक चेतना का मुख्य प्रेरणा स्रोत भी है। यह भावना भारत को या भारतीय सभ्यता को आधुनिक दुनिया के राष्ट्रों और राज्य-तंत्रों से अलग कर देती है। इसलिए हमारी संस्कृति सभ्यता को गुलामी के कालखंड से नष्ट करने की तमाम कोशिशों के बावजूद हम ज्यूं के त्यूं खड़े हुए हैं। कुंभ या महाकुंभ जैसे पर्वोत्सव मेलों से भी हमें यह शक्ति प्राप्त होती रही है। इस प्रकार शरीर रूपी घट में निहित अमृत तत्व की अनुभूति का विषय हो तो कुंभ-पर्व के रूप में अमृत पद प्राप्ति के लिए युग-युगों से भारतीय जन जीवन को आस्थाशील बनाए हुए है। कुंभ रूप इस लोक पर्व में भी 'मृत्यंर्मामृतं गमय' की कामना, मरणशील मानव के मन को उद्वेलित एवं प्रेरित करती रही है। वही प्रेरणा, अनादि स्रोत सलिला सरिताओं के तट की ओर, भारतीय मन को सदा से आकर्षित करती रही है। निष्कर्ष रूप में कहें तो कह सकते हैं कि इन कुंभ पर्वों ने भौगोलिक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक एकता बनाए रखकर राष्ट्रीय जीवन संदर्भों के प्रति जातीय अस्मिता को जागृत करने में अहम भूमिका निभाई है। जब कोई महाकुंभ पड़ता है तब जन भावना, उमंगित हृदय और संकल्पित मस्तिष्क को लेकर कुंभ स्थलों की ओर उमड़ पड़ती है। हर आयु वर्ग एवं जाति-वर्ग के लोग, प्रदेशों की सीमाओं को लांघते हुए गरीब-अमीर के दायरों को तोड़ते हुए अनेक भाषा-बोलियों में शब्द-साधना करते हुए परम अमृत की कामना से अपने 'स्व' (सीमित) को 'पर' (परम) में समर्पित करने के लिए संकल्पशील दिखाई देते हैं। सागर-सरिताओं के तट पर ऐसे आस्थाशील श्रद्धालुओं के गतिशील चरण, भारत भूमि के कण-कण को, रागात्मक संबंधों से जोड़ते हुए महाराग का वस्त्र बुनते रहे हैं। सरिताओं के तट पर विशाल जन समाज को देखकर ऐसा लगता है मानो नए भाव-विधान वाले ऐसे आस्थाशील लोगों का एक नया नगर ही बस गया हो। यह जन-आस्था निर्जन प्रदेश को भी जनाकूल बना देती है। सालों साल प्रयाग के त्रिवेणी के तट पर कुंभ या अर्द्धकुंभ के बाद इस बार महाकुंभ का पावन अवसर आया है। जहां सैंकड़ों झोंपडियां, लाखों ध्वजा पताकाएं दिखाई देती हैं। यहां नाना वेशधारी साधु-सन्तों के संगठनों की अथवा नाना योगियों की जमातें अपनी परम्पराओं को निभाने के लिए अपनी आन-बान-शान के साथ अपना नाम अस्तित्व प्रदर्शित कर रही हैं। पवित्र कुंभ का रंग ही ऐसा होता है, जो हर तरह के पर्यटकों को अपनी ओर सहज ही आकर्षित करता है। जो लोग भारत दर्शन के लिए आना चाहते हैं, उन्हें पूरे भारत की विविधता एक जगह सिमटी हुई मिल जाती है और जो लोग आध्यात्मिक टूरिज्म पर आना चाहते हैं, उनके लिए तो इससे भव्य आयोजन कोई हो ही नहीं सकता। चीनी यात्री ह्यू एन सांग(सन् 629-45ई.) ने अपने यात्रा विवरणों में सम्राट हर्षवर्धन द्वारा प्रयाग के कुंभ-अर्द्धकुंभ पर्वों पर सर्वस्व दान करने का उल्लेख किया है। इसी प्रकार हरिद्वार में सम्पन्न होने वाले कुंभोत्सवों का भी अपना विशेष महत्व रहा है। अकबर बादशाह ने ऐसे ही अवसरों पर तीर्थ यात्रियों पर लगने वाला जजिया सन् 1564 ई. में उठा लिया था किन्तु औरंगजेब ने हरिद्वार में पडने वाले कुंभ से पहले ही सन् 1678-79 में जजिया फिर से लगा दिया था। इस बार के महाकुंभ को योगी आदित्यनाथ ने दिव्य भव्यता के साथ डिजिटल भी बना दिया है।

रश्मिका मंदाना के पैर पर प्लास्टर

साउथ की फेमस एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को जिम में वर्कआउट करते वक्त चोट लग गई थी। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर हेल्थ अपडेट शेयर किया है। उन्होंने ये भी बताया कि इस वजह से उनकी फिल्में प्रभावित हुई हैं। वो शूटिंग नहीं कर पा रही हैं। शायद हफ्तों या महीनों तक रेस्ट करना पड़े।

रश्मिका मंदाना ने शेयर किया हेल्थ अपडेट

'पुष्पा 2' एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को हाल ही में जिम में वर्कआउट करते समय पैर में चोट लग गई। साउथ एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि इस घटना के कारण उनकी अपकमिंग मूवीज की शूटिंग प्रभावित हुई है। एक्ट्रेस ने देरी के लिए अपने डायरेक्टर्स से माफी मांगी है।

रश्मिका मंदाना कई सारी फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'ठीक है... मुझे लगता है कि मुझे नया साल मुबारक हो ! मैंने अपने पवित्र जिम मंदिर में खुद को घायल कर लिया। अब मैं अगले कुछ हफ्तों या महीनों के लिए 'हॉप मोड' में हूं या केवल भगवान ही जानता है, इसलिए ऐसा लगता है कि मैं 'थामा', 'सिकंदर' और 'कुबेर' के लिए सेट पर वापस जाऊंगी !'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'मेरे निर्देशकों को देरी के लिए खेद है... मैं जल्द ही वापस आ जाऊंगी, बस यह सुनिश्चित करूंगी कि मेरे पैर एक्शन के लिए फिट हैं (या कम से कम कूदने के लिए फिट हैं)। इस बीच अगर आपको मेरी जरूरत होगी... तो मैं कोने में एक बेहद उन्नत 'बन्नी हॉप' वर्कआउट करूंगी। हॉप हॉप हॉप।'

फैंस ने सेहत के लिए मांगी दुआ

रश्मिका के फैंस कॉमेंट बॉक्स में भर-भरकर कॉमेंट कर रहे हैं। सब दुआ कर रहे हैं कि वो जल्द से जल्द ठीक हो जाएंगी और सेट पर वापस लौटकर शूटिंग शुरू करेंगी। नीना गुप्ता, रॉनित रॉय सहित कई स्टार्स ने भी चिंता जताई है।

उर्वशी ने निर्देशक बॉबी कोली की तारीफ में पढ़े कसीदे

निर्देशक बॉबी कोली के निर्देशन में बनी नंदमुरी बालकृष्ण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डाकू महाराज' ने आज 12 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। इस फिल्म का निर्देशन बॉबी कोली ने किया है। फिल्म 'डाकू महाराज' में बॉबी देओल खलनायक बने दिखे हैं। उनके अलावा उर्वशी रौतेला, चांदनी चौधरी, प्रज्ञा जायसवाल और श्रद्धा श्रीनाथ जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का संगीत थमन एस ने तैयार किया है। वहीं, बॉबी कोली ने फिल्म का निर्देशन करने के साथ इसका लेखन भी किया है। हाल ही में उर्वशी रौतेला ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बॉबी कोली की तारीफों के पुल बांधे हैं।

वाल्टेयर वीरय्या के 'बॉस पार्टी' से शुरू हुआ सफर

उर्वशी ने बॉबी कोली के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए एक चिट्ठी लिखी है। अभिनेत्री ने लिखा है, 'प्रिय प्रिय बॉबी गारू, आपका बेमिसाल काम मैंने देखा है। उसकी तारीफ में यह चिट्ठी मैं बहुत खुशी के साथ लिख रही हूं। आपके साथ काम करने का सफर वाल्टेयर वीरय्या के 'बॉस पार्टी' गाने से शुरू हुआ, जो जादुई रहा है। उस प्रोजेक्ट के दौरान आपने मेरी क्षमताओं को पहचाना और मुझ पर यकीन किया। उस दौरान अपके टैलेंट और जुनून ने मुझे हैरान कर दिया'।

दिल और आत्मा सब झोंक दिया

अभिनेत्री ने आगे लिखा है, 'अब जब हमने 'डाकू महाराज' में साथ काम किया तो मैंने देखा आपने इस फिल्म के लिए अपना दिल और आत्मा सबकुछ झोंककर काम किया है। पिछले दो साल से मैं आपकी मेहनत, प्रतिभा और समर्पण देख रही हूं। मैं इसकी गवाह रही हूं। यह खूबी आपको हमारे समय के सबसे महान निर्देशकों में शामिल करती है। यह सफर सिर्फ एक फिल्म बनाने को लेकर नहीं रहा, यह एक सपने को जीवन में उतारने का सफर रहा। उस सपने के प्रति आपकी प्रतिबद्धता मुझे प्रेरित करती है।

बोलीं- साथ काम करके गौरवान्वित हूं

उर्वशी ने लिखा है, 'मैं तहे दिल से ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि 'डाकू महाराज' खूब सफलता अर्जित करे। मुझे उम्मीद है कि यह न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ेगी, बल्कि आपकी हर हसरत पूरी करेगी। इस फिल्म की सफलता मेरे लिए बेहद निजी होगी, क्योंकि मैंने देखा है कि इस मास्टरपीस के लिए आप रात-रातभर जागे हैं आपकी क्रिएटिविटी तो देखी ही जा सकती है, आप भावनात्मक रूप से बहुत ज्यादा जुड़े हैं। आपके साथ काम करते हुए मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है'।

सोशल मीडिया पर मिल रही मिलीजुली प्रतिक्रिया

यह फिल्म एक डाकू पर आधारित है जो अपने लोगों के अस्तित्व के लिए निडरता से लड़ता है। फिल्म में एक्शन है। इस फिल्म को दर्शकों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। कुछ दर्शकों ने फिल्म को बेहतर तरीके से बनाई गई कमर्शियल एक्शन एंटरटेनर के रूप में सराहा है। वहीं, कई लोगों ने बालकृष्ण के एंट्री सीन की भी काफी तारीफ की।

सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे रणवीर सिंह, साथ दिखेंगी वामिका गब्बी

रणवीर सिंह इन दिनों धुरंधर की शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में फिल्म के सेट से रणवीर सिंह की सरदार लुक में कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं। जानकारी के अनुसार, वहीं अब रणवीर निर्देशक बेसिल जोसेफ की आगामी फिल्म के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री नजर आएंगी, जिनको आपने रणवीर के साथ पहले किसी भी फिल्म में नहीं देखा है।

रणवीर के साथ नजर आएंगी वामिका?

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में बेबी जॉन में नजर आईं वामिका गब्बी अब रणवीर सिंह के साथ बेसिल जोसेफ की फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। यह फिल्म शक्तिमान का बॉलीवुड रूपांतरण हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वामिका, बेसिल जोसेफ की सुपरहीरो फिल्म में मुख्य महिला भूमिका निभाने के लिए सबसे आगे हैं। इस फिल्म को लेकर पिछले पांच सालों से काम चल रहा है।

जी2 में नजर आएंगी वामिका

हाल ही में वामिका ने अदिवी शेष और इमरान हाशमी के साथ जी2 में शामिल होने की बात को एक इंस्टाग्राम पोस्ट के लिए शेयर किया था। इस पोस्ट के साथ वामिका ने लिखा,'बेहद खुश हूं इस जानकारी को शेयर करते हुए की यह मेरा अगला प्रोजेक्ट है। बेहतरीन कास्ट के साथ काम करने का मौका मिलेगा.... फिल्म के सेट पर इमरान हाशमी से मिलने का और इंतजार नहीं कर सकती।'

वामिका का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो वामिका गब्बी ने 2007 में इम्तियाज अली की फिल्म जब वी मेट से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने करीना कपूर खान की चचेरी बहन का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने मौसम, बिट्टू बॉस, 83, खुफिया और बेबी जॉन जैसी हिंदी फिल्मों में काम किया।

भूल भुलैया 2 की मंजुलिका की हुई फिल्म भूत बंगला में एंट्री

काफी समय से सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा थी कि फिल्म भूत बंगला का हिस्सा तब्बू भी होंगी. अब ये कंफर्म हो गया. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर सेट से एक तसवीर शेयर की. फोटो के सात उन्होंने लिखा कि, हम यहां बंद हैं. फोटो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, डॉक्टर आदित्य श्रीवास्तव से मुलाकात करतीं मंजुलिका. एक यूजर ने लिखा, इसका इंतजार नहीं कर सकता. एक यूजर ने लिखा, हेराफेरी के बाद वापस. एक यूजर ने लिखा, अक्षय और तब्बू की जोड़ी कमाल की है. एक यूजर ने लिखा, भूत कौन बनेगा.

14 साल बाद प्रियदर्शन संग काम कर रहे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार 14 साल बाद प्रियदर्शन के साथ काम कर रहे हैं. इस बारे में पिछले साल एक्टर ने अपने बर्थडे पर फैंस को बताया था. उनकी स्काई फोर्स 24 जनवरी 2025 को रिलीज होगी, जिसमें वीर पहारिया और सारा अली खान भी अहम किरदार में दिखेंगी. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसपर दर्शकों और आलोचकों ने पॉजिटिव रिव्यूज दिया था. ये एक देशभक्ति वाली मूवी है और यह संदीप केलवानी और अभिषेक कपूर की ओर से निर्देशित है. इसके अलावा एक्टर्स के पास कई सारी फिल्में है, जिसमें वेलकम टू द जंगल, कन्नप्पा हैं.

'गेम चेंजर' को लग रहे एक के बाद एक झटके अब तेलंगाना सरकार ने उठाया ये बड़ा कदम

तेलंगाना सरकार ने अभिनेता राम चरण की फिल्म गेम चेंजर के लिए टिकट मूल्य में वृद्धि की अनुमति देने वाले अपने आदेश को वापस ले लिया है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद सरकार ने यह फैसला लिया। सरकार ने कहा कि भविष्य में सुबह के शो की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक सार्वजनिक हित, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर उचित रूप से विचार नहीं किया जाता।

शनिवार रात एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 16 जनवरी से यह आदेश प्रभावी हो जाएगा, जिसमें बढ़ी हुई दरों पर फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति वापस ले ली जाएगी।

गेम चेंजर के निर्माताओं की मांग पर राज्य सरकार ने 3 जनवरी को आदेश जारी किया थ। इसके मुताबिक 10 जनवरी को छह शो (जिसमें 4 बजे का अतिरिक्त शो भी शामिल था) प्रदर्शित करने की अनुमति दी गई थी। साथ ही, मल्टीप्लेक्स थिएटरों के लिए 150 रुपये और सिंगल थिएटरों के लिए 100 रुपये अतिरिक्त शुल्क लेने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा 11 जनवरी से 19 जनवरी तक पांच शो (नौ दिनों के लिए) 100 रुपये के अतिरिक्त शुल्क मल्टीप्लेक्स और 50 रुपये सिंगल थिएटरों के लिए तय किए गए थे।

हाई कोर्ट ने निर्णय के बाद बदला गया फैसला

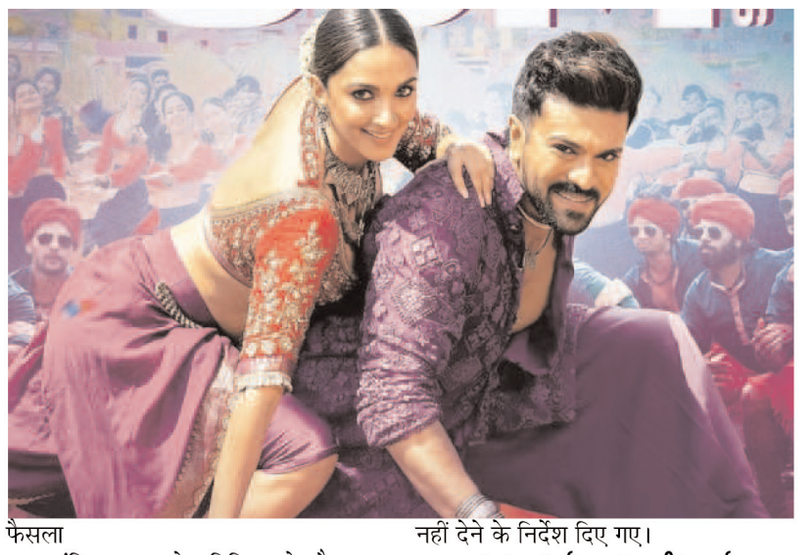

हालांकि, सरकार ने अतिरिक्त शो और मूल्य वृद्धि की अनुमति देते हुए यह भी कहा था कि फिल्म के साथ नारकोटिक्स और ड्रग्स के प्रभाव तथा साइबर अपराध के बारे में विज्ञापन भी दिखाए जाने चाहिए। इसके बाद 10 जनवरी को उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी किया, जिसमें सरकार को टिकट दरों में 150 रुपये और 100 रुपये की वृद्धि के फैसले वापस लेने और सुबह के शो की अनुमति भी नहीं देने के निर्देश दिए गए।

अब तक हुई महज इतनी कमाई

गेम चेंजर के कलेक्शन की बात करें तो शुक्रवार को यह फिल्म 51.25 करोड़ रुपये का ही कारोबार कर सकी। वहीं, दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में 57 फीसदी से ज्यादा की गिरावट नजर आई। शनिवार को फिल्म ने 21.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 72.5 करोड़ रुपये हो गई है।

भाग्यश्री बोलीं- यात्रा के दौरान भी खाना पसंद करती हूं

अभिनेत्री भाग्यश्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह समय-समय पर फैंस के साथ दिलचस्प चीजें साझा करती रहती हैं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपने पसंदीदा नाश्ते की एक झलक साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यात्रा के दौरान भी वह इस नाश्ते को खाना पसंद करती हैं।

भाग्यश्री ने साझा की तस्वीर

भाग्यश्री ने रविवार (12 जनवरी) को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक प्लेट में डोसा, चटनी और सांबर रखा था। इसके साथ उन्होंने लिखा, ₹मेरा पसंदीदा नाश्ता... यात्रा के दौरान भी।₹ इसके बाद उन्होंने एक और तस्वीर शेयर की, जिसमें वह पूलसाइड पर लाल रंग के कफ्तान ड्रेस में पोज देते हुए दिखाई दे रही थीं। इस पोस्ट को उन्होंने कैप्शन दिया, प्रकृति के रंग।

पर्दे पर इस फिल्म में आई थीं नजर

अभिनेत्री इस समय झारसुगुड़ा, ओडिशा में हैं। हालांकि, उन्होंने इस यात्रा के कारण का खुलासा नहीं किया। वर्क फ्रंट की बात करें तो भाग्यश्री को आखिरी बार फिल्म 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' में देखा गया था।

इस फिल्म का निर्देशन मिखिल मुसाले ने किया था। फिल्म में निमरत कौर, राधिका मदान और सुबोध भावे भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में वह ग्रे शेड किरदार में नजर आई थीं।

आमिर ने कहा जुनैद पर गर्व है

आमिर खान के बेटे जुनैद खान और बोनी कपूर-श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर फिल्म लवयापा के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। आमिर खान ने हाल ही में बताया कि वो कभी भी अपने बच्चों के लिए अवेलेबल नहीं रहे। एक्टर ने यह बात अपने बेटे जुनैद की अपकमिंग मूवी लवयापा के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर कही हैं।

मैं पिता के तौर पर कभी अवेलेबल नहीं रहा- आमिर

आमिर खान ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में कहा कि उन्हें अपने बेटे पर गर्व है। जिस तरह से वो अपने की करियर की शुरुआत कर रहे हैं।

एक्टर ने कहा- मैं कभी भी अपने बच्चों के लिए एक पिता के तौर पर अवेलेबल नहीं रहा। उनके बचपन में भी मैंने उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

मेरा सारा ध्यान अपने ऊपर और अपने काम के ऊपर ही रहता था। मैं 1988 से इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, मुझे इंडस्ट्री में 36 साल से ज्यादा हो गए हैं। अब मेरा बेटा भी इस इंडस्ट्री में कदम रख रहा है, इसका हिस्सा बनने जा रहा है तो यह मेरे लिए काफी इमोशनल मोमेंट हैं।

आमिर ने आगे कहा- जैसे मेरी अम्मी ने मेरी परवरिश की थी वैसे ही परवरिश रीना और मैंने जुनैद और इरा की। जुनैद खान और इरा खान, आमिर और उनकी पहली पत्नी रीना के बच्चे हैं। आमिर ने रीना दत्ता से 18 अप्रैल 1986 को शादी की थी। साल 2002 में दोनों का तलाक हो गया था।

बता करें जुनैद खान की फिल्म लवयापा की तो इसमें उनके साथ बोनी कपूर-श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर लीड रोल में है। जुनैद ने पिछले साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म महाराज से स्क्रीन पर डेब्यू किया था, जबकि उनकी पहली फिल्म लवयापा 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को अद्वैत चंदन ने डायरेक्ट किया है। डायरेक्टर अद्वैत चंदन ने आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा भी बनाई थी। आमिर अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आएंगे।

बिग बॉस में पहले से ही तय होते हैं विनर्स! एक्स-विनर शिल्पा शिंदे का खुलासा, बोलीं- दर्शकों को उल्लू बनाया जाता है

टीवी का कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस-18 लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब शो धीरे-धीरे अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इसी बीच अब टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने शो के मेकर्स पर दर्शकों को उल्लू बनाने का आरोप लगाया है।

इस वायरल वीडियो में शिल्पा शिंदे कहती हुई नजर आ रही हैं, 'मुझे नहीं पता, लेकिन कुछ लोगों को यह पता चल गया है कि मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं। वे खुद ही चुनते हैं, अपने घर से उठाकर लाते हैं और दिखाते हैं। अब चैनल की जो भी स्ट्रैटेजी हो, वह लोगों को भी पता चल गई है, इसलिए लोग अब शो ज्यादा नहीं देख रहे हैं, क्योंकि आप एक हद तक किसी को उल्लू बना सकते हैं।'

शिल्पा के वीडियो पर यूजर्स भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, 'बात तो सही है।', दूसरे ने लिखा, 'इसका मतलब यह है कि आपको भी मेकर्स ने ही विनर बनाया, आप डिजर्व नहीं करती थीं जितना।', तीसरे ने लिखा, 'हां, क्योंकि हिना शो को डिजर्व करती थीं।'

बिग बॉस 11 जीत चुकी हैं शिल्पा शिंदे

बिग बॉस सीजन 11 में शिल्पा शिंदे और हिना खान के बीच कड़ा मुकाबला था, लेकिन ट्रॉफी शिल्पा शिंदे ने जीती थी। हालांकि, उस समय सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि हिना खान ट्रॉफी जीतने की हकदार थीं। बता दें, बिग बॉस सीजन 18 का ग्रैंड फिनाले 19 जनवरी को होगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

पीएम मोदी ने महाकुंभ की दी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को प्रयागराज में महाकुम्भ शुरू होने के साथ ही इसे भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वालों के लिए एक बेहद खास दिन करार दिया और कहा कि यह विशाल धार्मिक आयोजन भारत की कालातीत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पौष पूर्णिमा पर पवित्र स्नान के साथ ही आज से प्रयागराज की पुण्यभूमि पर महाकुम्भ का आरंभ हो गया है। उन्होंने कहा, ''हमारी आस्था और संस्कृति से जुड़े इस दिव्य अवसर पर मैं सभी श्रद्धालुओं का हृदय से वंदन और अभिनंदन करता हूं। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा का यह विराट उत्सव आप सभी के जीवन में नयी ऊर्जा और उत्साह का संचार करे, यही कामना है।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक बहुत ही खास दिन! महाकुम्भ 2025 प्रयागराज में शुरू हो रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने लगाई आप सरकार को फटकार

नईदिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) रिपोर्ट से निपटने के तरीके को लेकर आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल-न्यायाधीश पीठ ने कहा कि सरकार ने विधानसभा सत्र को रोकने के लिए अपने पैर पीछे खींच लिए। अदालत ने कहा कि जिस तरह से आपने अपने पैर खींचे हैं, उससे आपकी प्रामाणिकता पर संदेह पैदा होता है। आपको तुरंत रिपोर्ट अध्यक्ष को भेजनी चाहिए थी और सदन में चर्चा शुरू करनी चाहिए थी। इसमें कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को सीएजी रिपोर्ट भेजने में देरी की और जिस तरह से सरकार ने मामले को संभाला उससे आपकी (आप की) विश्वसनीयता पर संदेह पैदा होता है। बताया जा रहा है कि सीएजी की एक रिपोर्ट में दिल्ली सरकार की शराब नीति के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के कारण सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का पता चला है।

केजरीवाल पर भड़के उपराज्यपाल वीके सक्सेना

नईदिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर शकूर बस्ती की झुग्गियों के निवासियों से झूठ बोलने और उन्हें गुमराह करने का आरोप लगाया। वह केजरीवाल के उस बयान का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी झुग्गियों को तोड़ना चाहती है. सक्सेना ने कहा कि डीडीए की ऐसी कोई योजना नहीं है और उन्होंने केजरीवाल को उनके खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। उपराज्यपाल ने कहा कि आज अरविंद केजरीवाल शकूर बस्ती की झुग्गियों के पास गए। उन्होंने वहां शकूर बस्ती को लेकर जो बयान दिया है, वह सरासर झूठ है। उन्होंने 27 दिसंबर की डीडीए मीटिंग का हवाला देते हुए कहा कि एलजी ने शकूर बस्ती का लैंड यूज बदल दिया है। एलजी ने कहा कि डीडीए ने न तो इस कॉलोनी का भूमि उपयोग बदला है और न ही डीडीए ने कोई बेदखली या तोड़फोड़ का नोटिस दिया है।

शिवसेना यूबीटी ने फिर कांग्रेस पर निशाना साधा

मुंबई। शिवसेना यूबीटी ने सोमवार को सामना के संपादकीय में फिर कांग्रेस पर निशाना साधा और इंडिया ब्लॉक के भविष्य पर सवाल उठाए। सामना के संपादकीय में शिवसेना ने लिखा कि लोगों को लगने लगा है कि देश में इंडिया ब्लॉक और राज्य में महा विकास अघाड़ी एक गड़बड़ हो गई है। हर क्षेत्रीय पार्टी को अपनी भूमिका, कैडर और अस्तित्व बनाए रखना होता है और कांग्रेस पार्टी यह समझने को तैयार नहीं है। कांग्रेस कई राज्यों में अपने दम पर नहीं लड़ सकती। लड़ने के लिए बहुत ताकत नहीं है, लेकिन क्षेत्रीय दलों को चुनाव लड़ने के लिए एकजुट रहना होगा। पिछले हफ्ते, शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने इंडिया ब्लॉक के भविष्य को लेकर चिंता जताई थी, जिसमें विपक्षी गठबंधन के समन्वय की कमी के बारे में उमर अब्दुल्ला की भावनाओं को दोहराया था। उन्होंने गठबंधन के भविष्य की दिशा तय करने के लिए लोकसभा चुनावों के बाद किसी भी रणनीतिक बैठक की अनुपस्थिति पर प्रकाश डाला।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को सिद्धारमैया ने किया खारिज

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के नेतृत्व में बदलाव की अटकलों को खारिज कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने उन रिपोर्टों पर कटाक्ष किया कि उनके डिप्टी डीके शिवकुमार उनकी जगह ले सकते हैं। प्रेस क्लब ऑफ बैंगलोर अवार्ड-2024 (पीसीबी) में बोलते हुए, सिद्धारमैया ने आंतरिक संघर्ष के दावों का खंडन किया और ऐसी रिपोर्टों को काल्पनिक पत्रकारिता करार दिया। उन्होंने टिप्पणी की, मेरी कुर्सी खाली नहीं है, फिर भी पत्रकार लिखते रहते हैं कि मुख्यमंत्री बदल दिया जाएगा। हमें कोई भ्रम नहीं है, लेकिन ये कहानियाँ बनी रहती हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि मीडिया को अफवाहों को हवा देने के बजाय सच्चाई दिखानी चाहिए। यह अभी भी चल रहा है कि सिद्धारमैया जाने वाले हैं, सच कहूं तो पार्टी के अंदर कोई मतभेद नहीं है, लेकिन फिर भी हम रोज देखते हैं, सीएम बदलने वाला है, सीएम बदला जाएगा, कुर्सी खाली नहीं है।

जयराम रमेश ने चुनावी दंगल में पार्टी की जीत का भरा दम

खुशहाल दिल्ली के लिए कांग्रेस है जरूरी

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को जीवन रक्षा योजना का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि समृद्ध दिल्ली के लिए कांग्रेस जरूरी है। यह योजना 5 फरवरी को होने वाले आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी द्वारा घोषित की गई है। जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि मिलेगी स्वास्थ्य सुरक्षा, होगी हर जरूरत पूरी, खुशहाल दिल्ली के लिए, कांग्रेस है जरूरी। जीवन रक्षा योजना : 25 लाख रुपए का मुफ्त इलाज।

एक अन्य ट्वीट में जयराम रमेश ने लिखा कि देश के भविष्य युवाओं के लिए कांग्रेस की युवा उड़ान योजना, युवाओं को एक साल की अप्रेंटिसशिप, हर महीने मिलेंगे 8,500 रुपए, होगी हर जरूरत पूरी, कांग्रेस है जरूरी। कांग्रेस ने 8 जनवरी को %जीवन रक्षा योजना% की घोषणा की, जिसमें प्रति परिवार 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर देने का वादा किया गया। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। गहलोत ने इस योजना को दिल्ली में गेम चेंजर बताया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस द्वारा घोषित यह तीसरा प्रमुख चुनावी वादा है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव सचिन पायलट ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वित्तीय सहायता 'युवा उड़ान योजना' के तहत प्रदान की जाएगी और यह सहायता मुफ्त में नहीं है। पायलट ने कहा, ''हम उन युवाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे, जो किसी कंपनी, कारखाने या संगठन में अपना कौशल दिखा सकते हैं। इन कंपनियों के जरिए उन्हें ये पैसे मिलेंगे। यह कोई ऐसी योजना नहीं है, जिसके तहत घर बैठे पैसे मिल जाएंगे।'' संवाददाता सम्मेलन के दौरान कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष देवेंद्र यादव और पार्टी की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के अध्यक्ष वरुण चौधरी भी मौजूद

थे। पायलट ने कहा, ''हम उन्हें कंपनियों या कारखानों में काम करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे और उनकी मदद करेंगे। इसलिए हम कंपनियों के माध्यम से उन्हें यह धनराशि देने की कोशिश करेंगे। यह घर बैठे लोगों को भत्ता देने की योजना नहीं है।''

अगर इंडिया गठबंधन को बचाना है तो सहयोगियों के बीच संवाद जरूरी : राउत

मुंबई। इंडिया गठबंधन में आंतरिक कलह की अटकलों के बीच, शिव सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि आने वाले दिनों में अगर इंडिया गठबंधन को बचाना और मजबूत करना है, तो गठबंधन सहयोगियों के बीच बातचीत जरूरी है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन मजबूत होना चाहिए। उमर अब्दुल्ला ने जो कहा कि इंडिया गठबंधन लोकसभा के लिए बना है, उस पर मुझे विश्वास नहीं है। यह गठबंधन लोकसभा के लिए जरूर बना था और हमने अच्छा चुनाव लड़ा, लेकिन उसके बाद इंडिया गठबंधन की कोई बैठक नहीं हुई, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। संजय राउत ने कहा कि यह जिम्मेदारी कांग्रेस की है क्योंकि वह गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में है। आने वाले दिनों में अगर इंडिया गठबंधन को बचाना है और मजबूत करना है तो गठबंधन सहयोगियों के बीच संवाद जरूरी है। राउत की टिप्पणी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद आई है कि लोकसभा चुनाव 2024 के बाद इंडिया गुट विभाजित है।

कश्मीर में बोले प्रधानमंत्री, सही समय पर सही काम भी होंगे

ये मोदी है वादा करता है, तो निभाता है

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान उन सात श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने परियोजना को पूरा करने के दौरान अपनी जान गंवा दी थी। उन्होंने अपनी पिछली यात्राओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद वहां के लोगों की गर्मजोशी को याद करते हुए जम्मू-कश्मीर के साथ अपने गहरे संबंध पर भी विचार किया। अपने संबोधन के शुरूआत में उन्होंने कहा कि ये मौसम, ये बर्फ, ये बर्फ की सफेद चादर से ढकी खूबसूरत पहाड़ियां, इन्हें देखकर दिल एकदम प्रसन्न हो जाता है। 2 दिन पहले हमारे मुख्यमंत्री जी ने सोशल मीडिया पर यहां की कुछ तस्वीरें शेयर की थी। उन तस्वीरों को देखने के बाद यहां आपके बीच आने के लिए मेरी बेसब्री और बढ़ गई थी।

मोदी ने कहा कि आज का दिन बहुत ही खास है। आज देश के हर कोने में उत्सव का माहौल है। आज से ही प्रयागराज में महाकुंभ आरंभ हो रहा है। करोड़ों लोग वहां पवित्र स्नान के लिए उमड़ रहे हैं। आज पंजाब समेत पूरा उत्तर भारत लोहड़ी की उमंग से भरा है। ये समय उत्तरायण, मकर संक्रांति, पोंगल जैसे कई त्योहारों का है। उन्होंने कहा कि मैं देश और दुनिया में इन त्योहारों को मना रहे सभी लोगों के मंगल की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि ये मौसम सोनमर्ग जैसे पर्यटन स्थल के लिए नए मौके भी लाता है। देश भर से सैलानी यहां पहुंच रहे हैं। कश्मीर की वादियों में आकर वो लोग आपकी मेहमाननवाजी का भरपूर आनंद ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज मैं एक बड़ी सौगात लेकर आपके एक सेवक के रूप में आपके बीच आया हूं। कुछ दिन पहले मुझे जम्मू में आपके अपने रेल डिवीजन का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। ये आपकी बहुत पुरानी डिमांड थी। आज मुझे सोनमर्ग टनल देश को और आपको सौंपने का मौका मिला है। यानी जम्मू-कश्मीर की, लद्दाख की एक और बहुत पुरानी डिमांड आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि आप पक्का मानिए, ये मोदी है वादा करता है, तो निभाता है। हर काम का एक समय होता है और सही समय पर सही काम भी होने वाले हैं।

मोदी ने कहा कि केंद्र में हमारी सरकार बनने के बाद ही 2015 में सोनमर्ग टनल के वास्तविक निर्माण का काम शुरु हुआ था। मुझे खुशी है कि इस टनल का काम हमारी ही सरकार में पूरा भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इस टनल से सर्दियों के मौसम में सोनमर्ग की कनेक्टिविटी भी बनी रहेगी। इससे सोनमर्ग समेत इस पूरे इलाके में टूरिज्म को भी नए पंख लगने वाले हैं। आने वाले दिनों में रेल और रोड कनेक्टिविटी के बहुत सारे प्रोजेक्ट्स जम्मू-कश्मीर में पूरे होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अब तो कश्मीर वादी रेल से भी जुड़ने वाली है। मैं देख रहा हूं कि इसको लेकर भी यहां जबरदस्त खुशी का माहौल है। उन्होंने कहा कि आज भारत, तरक्की की नई बुलंदी की तरफ बढ़ चला है। हर देशवासी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में जुटा है। ये तभी हो सकता है, जब हमारे देश का कोई भी हिस्सा, कोई भी परिवार तरक्की से पीछे न छुटे।

उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री मोदी की जमकर की तारीफ, आपने अपना वादा 4 महीने में पूरा किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के अपने वादे को पूरा करने के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। ज़ेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर में अपने कार्यक्रम के दौरान आपने (पीएम मोदी) 3 बेहद अहम बातें कहीं। आपने कहा कि आप दिल की दूरी और दिल्ली की दूरी को खत्म करने पर काम कर रहे हैं और यह वास्तव में आपके काम से साबित हुआ है।

उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि उस दौरान आपने जम्मू कश्मीर की जनता से कहा था कि बहुत जल्द चुनाव होंगे और लोगों को अपने वोट के जरिए अपनी सरकार चुनने का मौका मिलेगा। आपने अपनी बात रखी और 4 महीने के अंदर चुनाव हो गए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव हुए और सबसे बड़ी बात यह रही कि कहीं भी किसी तरह की अनियमितता की शिकायत नहीं आई, सत्ता के दुरुपयोग की कोई शिकायत नहीं आई। इसका श्रेय आपको (पीएम मोदी), आपके सहयोगियों और भारत के चुनाव आयोग को जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा दिल कहता है कि बहुत जल्द आप (पीएम मोदी) राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा पूरा करेंगे। आज इस अवसर पर मैं आपको इतनी ठंड में यहां आने के लिए तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। आपका जम्मू-कश्मीर से बहुत पुराना रिश्ता है, हमें उम्मीद है कि आप बार-बार यहां आएंगे, हमारे बीच रहेंगे और हमारी खुशियों में शामिल होंगे। उमर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से सीमा पर शांति प्रक्रिया से दूरदराज के इलाकों को काफी फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, चाहे माछिल, गुरेज, करनाह या केरन हो, अधिक पर्यटकों के आने से लोगों को विकास और पर्यटन के मामले में फायदा हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सोनमर्ग सुरंग के खुलने से ऊपरी इलाकों के लोगों को अब मैदानी इलाकों की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि सड़क संपर्क साल भर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने जेड-मोड़ सुरंग निर्माण परियोजना में शामिल सात नागरिकों को याद किया, जिन्हें पिछले साल गगनगीर में आतंकवादियों ने मार डाला था।

खेल
प्रमुख समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कई टीमों ने किया स्क्वॉड का ऐलान

नईदिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज 19 फरवरी से होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। जहां अभी तक 5 टीमों ने अपने स्क्वॉड का ऐलान किया है। आईसीसी ने प्रोविजनल स्क्वॉड का ऐलान करने के लिए 12 मार्च की तारीख तय की थी, लेकिन अभी तक 3 टीमों ने अपने स्क्वॉड का ऐलान नहीं किया है। इसमें टीम इंडिया भी शामिल है। भारत के अलावा पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका ने अपने-अपने स्क्वॉड का ऐलान नहीं किया है।

ऑस्ट्रेलिया- पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन, एलिस, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

इंग्लैंड- जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, लियाम लिविंगस्टोन, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, जो रूट, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), मार्क वुड।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉन्वे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरुरके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग।

बांग्लादेश- नजमुल हुसैन (कप्तान), तंजीद हसम तमीम, सौम्य सरकार, परवेज हुसैन इमोन, मुश्किकुर रहीम, तौहीद ह्रदोय, महमुदुल्लाह, मेहदी हसन, जेकर अली अनिक, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, तंजीम हसन साकिब, नाहिद राणा, तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान।

अफगानिस्तान- हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमन शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, एएम गजनफर, नूर अहमद, फज़लहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स ने 1049 अंक का लगाया गोता

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के समान घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार (13 जनवरी) को सप्ताह के पहले ट्रेडिंग सेशन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। महंगाई के आंकड़ों, कमजोर ग्लोबल संकेतों और दिसंबर तिमाही के नतीजों को लेकर अनिश्चितता की वजह से बाजार में आज भी बिकवाली हावी रही। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सोमवार (13 जनवरी) को 844 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 76,535.24 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 1129 अंक तक लुढ़क गया था। अंत में सेंसेक्स 1049 अंक या 1.36% का गोता लगाकर 76,330 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ खुला। कारोबार के दौरान यह 384 अंक तक फिसल गया था। अंत में निफ्टी 345.55 अंक या 1.47% की बड़ी गिरावट के साथ 23,085.95 पर बंद हुआ।

दमानी पोर्टफोलियो के दिग्गज शेयर में बिकवाली

नईदिल्ली। एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयर सोमवार (13 जनवरी) को इंट्राडे ट्रेड में 5.74 प्रतिशत की गिरावट लेकर 3474 रुपये तक फिसल गए। डीमार्ट का 52 वीक लो 3,400 रुपये है जबकि 52 वीक हाई 5,484 रुपये है। इस हिसाब से शेयर अपने ऑल टाइम हाई से करीब 58% गिरावट में कारोबार कर रहे है। डीमार्ट के शेयरों में यह ताजा गिरावट 2024-25 के तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करने के बाद आई है। डीमार्ट का दिसंबर तिमाही में मुनाफा बढ़कर 724 करोड़ रुपये रहा। यह एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 690 करोड़ रुपये था। कंपनी का दिसंबर तिमाही में रेवेन्यू भी 15,973 करोड़ रुपये हो गया जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 13,572 करोड़ रुपये था। हालांकि, कंपनी के नतीजे बाजार की उम्मीदों की अनुरूप नहीं रहे जिसकी वजह से शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है।

डॉलर के मुकाबले 86.40 के निचले स्तर पर रुपया

नईदिल्ली। 13 जनवरी को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया 27 पैसे की गिरावट के साथ 86.40 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले, डॉलर 86.12 पर खुला था, लेकिन दिन में रुपया कमजोर होकर इस रिकॉर्ड स्तर तक गिर गया। 10 जनवरी को यह 86.04 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों का मानना है कि हाल ही में भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा की जा रही भारी बिकवाली रुपये में गिरावट की प्रमुख वजह है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव (जियो-पॉलिटिकल टेंशन) ने भी रुपये पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। रुपये की गिरावट का सीधा असर भारत के आयात पर पड़ेगा, क्योंकि अब विदेशों से चीजें मंगवाना महंगा हो जाएगा। इसका असर आम जनता की जेब पर भी देखने को मिलेगा।

सब्सक्राइब करने के लिए लक्ष्मी डेंटल आईपीओ खुला

नईदिल्ली। लक्ष्मी डेंटल लिमिटेड का आईपीओ सोमवार (13 जनवरी) से अप्लाई करने के लिए खुल गया है। यह कंपनी डेंटल प्रोडक्ट्स बनाती है। कंपनी ने अपने 698 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 407 से 428 रुपये प्रति शेयर तय किया है। आईपीओ 13 जनवरी को खुल गया और यह 15 जनवरी को बंद होगा। कंपनी पब्लिक इश्यू के जरिये 698 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। ब्रोकरेज फर्म बजाज ब्रोकिंग ने लक्ष्मी डेंटल आईपीओ को लॉन्ग टर्म लिहाज से सब्सक्राइब करने की सलाह दी है। लक्ष्मी डेंटल भारत की एक प्रमुख एंड-टू-एंड डेंटल प्रोडक्ट कंपनी है। लक्ष्मी डेंटल का आईपीओ 0.32 करोड़ शेयरों का फ्रेश इश्यू का संयोजन है जिसका कुल वैल्यू 138 करोड़ रुपये है। आईपीओ के तहत 1.31 करोड़ शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव भी शामिल है, जिसकी कुल वैल्यू 560.06 करोड़ रुपये है।

घरेलू नीतियों से जीडीपी वृद्धि को देनी होगी गति

डॉ. जयंतीलाल

सात जनवरी को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अग्रिम अनुमान जारी करते हुए कहा कि जीडीपी के इस वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की 8.2 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि से काफी कम है। पिछले चार वर्षों में और कोविड के बाद भारत की जीडीपी वृद्धि का यह सबसे निचला स्तर है। चिंताजनक यह है कि अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों के कुल आठ उप-क्षेत्रों में से महज कृषि और लोक प्रशासन को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्रों में भारी कमी दिखाई दी है। रिजर्व बैंक ने भी वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने विकास अनुमान को 7.2 प्रतिशत के पहले के अनुमान से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

जीडीपी वृद्धि दर में हालिया सुस्ती के कारण पर विचार करने पर हम पाते हैं कि बीते वर्ष की कई आर्थिक चुनौतियों के कारण जीडीपी में सुस्ती आयी है। वैश्विक भू-राजनीतिक कारणों और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों ने विकास दर को प्रभावित किया है। ऊंची ब्याज दर व खपत में कमी का भी प्रभाव पड़ा है। यद्यपि, बीते वर्ष की शुरुआत आठ प्रतिशत विकास दर के साथ हुई थी, परंतु जुलाई से सितंबर की तिमाही में महज 5.4 प्रतिशत की विकास दर के कारण कई आर्थिक गणित गड़बड़ा गये। बीते वर्ष भारत के आर्थिक परिदृश्य पर महंगाई तथा रोजगार प्रमुख रूप से चिंताजनक मुद्दे रहे हैं।

महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग अधिकांश महीनों में बनी रहीं। खासतौर से नवंबर 2024 के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढ़ने लगी और महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित दायरे से बाहर रही। बीते

वर्ष में यद्यपि शहरी बेरोजगारी में कमी आयी, पर असंगठित क्षेत्र में रोजगार के मौके घट गये। विदेश व्यापार घाटा भी बढ़ा। वर्षभर डॉलर की तुलना में रुपये की कीमत घटती गयी और दिसंबर 2024 में डॉलर के मुकाबले रुपया लुढ़ककर 85 से भी नीचे के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2024 में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी आयी। यद्यपि जीडीपी में बड़ी कमी आयी है, पर 2025 को पिछले वर्ष से आर्थिक विकास के ठोस आधार भी मिले हैं। जिनसे अनुमानित विकास दर बढ़ सकती है।

अर्थ विशेषज्ञ एक मत से कारोबारी और वित्तीय ऊंचाई को लेकर आशावादी हैं और वे विकास मूलक संकेत देते हुए देश की मजबूत बैलेंस शीट प्रस्तुत कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि कृषि, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन को तेज रफ्तार मिलेगी। नयी द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं व नये मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) आकार लेते हुए दिखाई देंगे। सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटोमोबाइल, फार्मा, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि जैसे क्षेत्रों में तेज विकास होगा। इससे रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ेंगे।

चूंकि देश में जीडीपी की रफ्तार घटने के बाद अब निकट भविष्य में वैश्विक आर्थिक माहौल अनुकूल होता नहीं दिखता, इसलिए घरेलू नीतियों से वृद्धि को गति देना होगी। वर्ष 2025 में जीडीपी की सुस्त रफ्तार को बढ़ाने में स्थानीय और घरेलू बाजार की मजबूती अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। पिछले 10 साल में देश जिस तेजी से आत्मनिर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ आगे बढ़ा है, उससे नये वर्ष में देश अधिक लाभान्वित होगा। निश्चित रूप से नये वर्ष में देश के कोने-कोने में मेक इन इंडिया अभियान की शक्ति बढ़ेगी।

भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य भी बन सकता है। देश में चीन से आयात किये जाने वाले दवा, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पीएलआइ स्कीम के और अच्छे परिणाम मिलते दिखेंगे। इस वर्ष बंपर खरीफ और रबी फसल की संभावनाओं के कारण खाद्यान्न की कीमतों में नरमी आने की उम्मीद है। इससे 2025 में कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आत्मसमर्पित नक्सलियों ने की गृहस्थ जीवन की शुरूआत

जहां बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां गूंज रही शहनाईः सीएम साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल के घने जंगलों में माओवादी हिंसा की जगह अब प्रेम और विश्वास की नई इबारत लिखी जा रही है। माओवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्य धारा से जुड़ने वाले महेश-हेमला और मड़कम-रव्वा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के समक्ष परिणय सूत्र में आबद्ध होकर वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत की है। मुख्यमंत्री ने परिणय सूत्र में आबद्ध दोनों नवदम्पत्तियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। यह कहानी सुकमा जिले की बदलती तस्वीर है, जहां कभी बन्दूकें गूंजती थी, अब वहां शहनाईयां गूंज रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज 13 जनवरी को 206 करोड़ रूपए से अधिक विकास कार्यों की सौगात देने के लिए सुकमा के मिनी स्टेडियम में पहुंचे थे। लगभग सात माह पहले नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने वाले मौसम महेश और हेमला, मड़कम पाण्डू और रव्वा भीमे ने जिला प्रशासन सुकमा से आग्रह किया था कि वह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में परिणय सूत्र में आबद्ध होकर नये जीवन की शुरूआत करना चाहते हैं। जिला प्रशासन ने उन चारों को भरोसा दिलाया था कि मुख्मयंत्री श्री साय का जब भी सुकमा में आगमन होगा, उस दिन मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत उनका विवाह विधिविधान से सम्पन्न कराया जाएगा। आज 13 जनवरी को मुख्यमंत्री के सुकमा प्रवास के दौरान वहां के मिनी स्टेडियम में इन चारों आत्मसमर्पितों का विधि-विधान से विवाह मुख्यमंत्री श्री साय की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ, जिसके साक्षी वहां मौजूद हजारों-हजार लोग बने। सभी ने नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

ज्ञात रहे कि गगनपल्ली गांव के रहने वाले मौसम महेश और डुब्बामरका की रहने वाली हेमला मुन्नी तथा कन्हाईपाड़ निवासी मड़कम पाण्डू और सल्लातोंग की रव्वा भीमे ये चारों पहले नक्सली संगठन से जुड़े हुए थे। छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर इन चारों ने जून 2024 में नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया था। मौसम महेश लगभग बारह साल तक नक्सल संगठन से जुड़े रहे। मड़कम पाण्डू और हेमला मुन्नी 9 साल तक तथा रव्वा भीमे 6 साल तक नक्सल संगठन और उसकी गतिविधियों से जुड़ी रहीं।

परिणय सूत्र में आबद्ध होने के बाद मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आशीर्वाद प्राप्त करके हुए महेश-हेमला और मड़कम-रव्वा ने बताया कि उन्हें रास्ता भटकने और हिंसा में संलिप्त रहने का बेहद अफसोस है। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल पुनर्वास नीति और नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर वे चारों विकास और शांति की मुख्य धारा में शामिल होने का फैसला लिया। उनका कहना था कि सरकार की जनहितैषी नीतियों से प्रभावित होकर विभिन्न नक्सल संगठनों से जुड़े कई युवा साथी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और कई साथी आत्मसमर्पण करने का मन बना चुके हैं।

उनका कहना था कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने और समाज में सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को रोजगार, मकान और पुनर्वास के लिए आर्थिक सहायता मिल रही है। यह कहानी न केवल प्रेम की जीत की है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का चुनाव 17 को

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा के संगठन चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। 17 जनवरी को प्रदेशाध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का भी चुनाव होगा। इस चुनाव की निगरानी के लिए भाजपा के राष्ट्रीय संगठन द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी विनोद तावड़े रायपुर पहुंचेंगे।

प्रदेशाध्यक्ष के चयन को लेकर अटकलें तेज हैं। वर्तमान अध्यक्ष किरण देव को दोबारा मौका दिया जाएगा या किसी नए चेहरे को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, इसका फैसला 17 जनवरी को होगा। यदि किरण देव को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान मिलता है, तो प्रदेशाध्यक्ष का पद नए नेता को सौंपा जाएगा। संभावित नामों में धरमलाल कौशिक, विक्रम उसेंडी, शिवरतन शर्मा, और विजय बघेल शामिल हैं।

प्रदेश में भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के 17 सदस्यों का चुनाव भी इसी दिन होगा। राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदान का अधिकार रखते हैं और प्रस्तावक एवं समर्थक के रूप में भूमिका निभाते हैं। छत्तीसगढ़ से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, वरिष्ठ मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और पार्टी के प्रमुख नेताओं को परिषद में शामिल किया जाएगा। रायशुमारी के जरिए 17 नाम तय किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया के बाद इनके नामों की औपचारिक घोषणा होगी।

छत्तीसगढ़ भाजपा में संगठन चुनाव की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है। प्रदेश के 36 में से 35 जिलाध्यक्षों का चुनाव संपन्न हो चुका है। अब अंतिम चरण में प्रदेशाध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों का चुनाव होगा।

राष्ट्रीय परिषद के सदस्य न केवल राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदान करेंगे, बल्कि पार्टी की नीतियों और दिशा तय करने में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

युवा महोत्सव 2025 : सुपर 30 के आनंद कुमार ने युवाओं को दिया सफलता का मंत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव 2024-25 के दूसरे दिन रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार ने युवाओं से चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ में युवाओं की शिक्षा और स्वर्णिम भविष्य के निर्माण के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रेरित करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पूर्व आईएएस अधिकारी एवं वर्तमान में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी का उदाहरण दिया।

आनंद कुमार ने कोंडागांव से एक छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

युवा महोत्सव में आनंद कुमार ने युवाओं से किए गए संवाद में स्वामी विवेकानंद के विचारों का जिक्र करते हुए कहा कि स्वामी जी कहते थे कि युवाओं में इतनी शक्ति है कि वे असंभव को संभव बना सकते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच के साथ कोई भी व्यक्ति अपने लक्ष्य को हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रबल प्रयास, असीम धैर्य और लगातार मेहनत सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने यह भी कहा, जीवन में सकारात्मक सोच बनाए रखें। यदि आप एक बार संकल्प कर लें, तो सफलता से आपको कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने सोशल मीडिया के महत्व और उससे बचने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया युवाओं के समय को बर्बाद कर सकता है, लेकिन यदि इसे सही दिशा में इस्तेमाल किया जाए।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवाओं का सम्मान

रायपुर। स्वामी विवेकानंद उत्कर्ष परिषद द्वारा स्वामी विवेकानंद की 161वीं जयंती के उपलक्ष्य में आनंद समाज वाचनालय में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने उद्बोधन में सुनील सोनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने ढाई साल रायपुर में बिताए थे। उनके विचार और जीवनशैली आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने युवाओं को विवेकानंद की पुस्तकों का अध्ययन करने और उनके विचारों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। समिति की अध्यक्ष दीप्ति दुबे ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी और युवाओं को सेवा के क्षेत्र में सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया। सभापति प्रमोद दुबे ने स्वामी विवेकानंद के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। समिति के सचिव सौरभ तिवारी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भूखे को भोजन और सेवा के क्षेत्र में समर्पित होने का आव्हान किया जो आज भी प्रासंगिक है।इस अवसर पर प्रमुख युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, जिनमें दिव्यांश तिवारी, गज्जू साहू, सीमा दुबे, आरती शर्मा, प्रदीप सयानी, शिखा शर्मा, पूनम शुक्ला, रमा मिश्रा, अनुराग तिवारी, आर्यरतन शर्मा, अनिकेत अग्रवाल, सुरभि शर्मा शामिल थी।

भौतिक सत्यापन में 5 खरीदी केन्द्रों में 52.84 लाख की गड़बड़ी, प्रकरण दर्ज

बिलासपुर। धान खरीदी केन्द्रों में इन दिनों भौतिक सत्यापन का कार्य सघन रूप से किया जा रहा है। गत दो दिनों में एक दर्जन से ज्यादा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इनमें 5 खरीदी केन्द्रों में ऑनलाइन दर्ज धान की मात्रा से 1704 क्विंटल धान का अधिक भंडारण पाया गया। धान को जब्त कर खरीदी केन्द्र प्रभारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। जब्त किए गए धान की कीमत 52.84 लाख की है। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर राजस्व, खाद्य, सहकारिता विभागों को मिलकर गठित टीम द्वारा कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है। धान खरीदी के अंतिम दिन तक इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जिला खाद्य अधिकारी अनुराग भदौरिया ने बताया कि धान उपार्जन केन्द्र बोदरी की जॉच तहसीलदार एवं खाद्य विभाग द्वारा करते हुए उपार्जन केन्द्र का भौतिक सत्यापन किया गया। जाँच के दौरान केन्द्र परिसर में उपलब्ध समस्त धान बोरों की गणना की गई एवं इनका रैण्डम वजन किया गया। केन्द्र में भौतिक रूप से उपलब्ध धान का मिलान ऑनलाईन प्रदर्शित मात्रा से करने पर समिति में 240 क्विंटल धान अधिक पाया गया इस प्रकार अधिक प्राप्त धान को जप्त किया जाकर समिति के पदाधिकारियों के विरूद्ध प्रकरण निर्मित किया गया है। धान उपार्जन केन्द्र गनियारी की जाँच तहसीलदार एवं खाद्य विभाग द्वारा करते हुए उपार्जन केन्द्र का भौतिक सत्यापन किया गया। जाँच के दौरान केन्द्र परिसर में उपलब्ध समस्त धान की गणना की गई एवं बोरो का रैण्डम वजन किया गया। धान उपार्जन केन्द्र सोन तहसील पचपेड़ी की जाँच तहसीलदार एवं खाद्य विभाग द्वारा करते हुए उपार्जन केन्द्र का भौतिक सत्यापन किया गया। जाँच के दौरान केन्द्र परिसर में उपलब्ध समस्त धान की गणना की गई एवं बोरो का रैण्डम वजन किया गया। केन्द्र में भौतिक रूप से उपलब्ध धान का मिलान ऑनलाईन प्रदर्शित मात्रा से करने पर समिति में 500 कट्टी धान अधिक पाया गया।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

रायपुर में फिर से कांग्रेस का महापौर बनाना है : दीपक बैज

रायपुर। रायपुर नगर निगम क्षेत्र के कांग्रेस जनों की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कांग्रेस भवन में लिया। उन्होंने कांग्रेसजनों से कहा कि रायपुर में फिर से एक बार कांग्रेस का महापौर बनाना है। शहर के सभी 70 वार्डों में दमदारी से एकजुटता से चुनाव लड़ना है। पार्टी के प्रति निष्ठावान को मौका मिलेगा। सभी जनता के बीच जाकर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाये। उन्होंने सभी वार्ड प्रभारियों को निर्देशित किया कि सभी अपने वार्डों में तुरंत बैठकें आयोजित करें।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले चुनाव में कांग्रेस ने अधिकांश नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में जीत हासिल किया था। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ वातावरण है। लोग प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था, रोज हो रही हत्याओं, बलात्कार, लूट, चाकूबाजी की घटनाओं के कारण सरकार से निराश है, भाजपा की साय सरकार ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में जनता को निराश किया है। विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने जनता से जो वादा किया था, एक साल में उसको पूरा नहीं किया है। न 500 रू. सिलेंडर देने का वादा पूरा किया और न ही 18 लाख आवास देने का वादा पूरा किया।

महिलाओं से दुर्व्यवहारः लखन लाल मंत्री को बर्खास्त करेंः शुक्ला

रायपुर। भाजपा सरकार के मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा महिलाओं से की गयी अभद्रता तथा उनको दी गयी धमकी की कड़ी निंदा करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यही है विष्णु का सुशासन जहां मंत्री पीड़ित महिलाओं को धमकाते है तथा पुलिस बुलाकर उठवा लेने की धौंस न सिर्फ दिखाते है, महिलाओं के खिलाफ पुलिस से झूठा एफआईआर भी दर्ज करवा दिया। मंत्री लखनलाल देवांगन द्वारा महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने का निर्देश देना, यह सत्ता का दुरूपयोग है। कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है। मुख्यमंत्री से मांग करते है इस दुर्व्यवहार के लिये मुख्यमंत्री, मंत्री लखनलाल देवांगन को तत्काल बर्खास्त करे। इन महिलाओं की बदौलत तथा छत्तीसगढ़ के वोटरों की बदौलत भाजपा सरकार में आयी है। महिलाएं अपनी बात रख रही है, उनकी बात सुनने के बजाय उनको धमका रहे है और पुलिस का दुरूपयोग कर रहे है। दुर्भाग्यजनक है कि मंत्री के गृह जिले में महिलाएं ठगी का शिकार हुई है, फ्लोरा मैक्स कंपनी पर कार्यवाही करवाने तथा महिलाओं को न्याय दिलाने के बजाय मंत्री पीड़ित महिलाओं को ही धमकाने लगे। लखन लाल देवांगन ऐसा बर्ताव कर रहे है।

भाजपा को मिले चुनावी चंदे के कारण सीमेंट के दाम बढ़े : ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा को दिये चुनावी चंदा के कारण ही सीमेंट निर्माता कंपनियों ने सीमेंट के दामों में वृद्धि करके चंदा की राशि की वसूली आम जनता से कर रही है। भाजपा और सीमेंट निर्माता कंपनियों के साठगांठ के कारण ही घर बनाने वाले गरीब जनता सीमेंट के महंगाई से परेशान हैं। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले प्रदेश में सीमेंट के दामों में 50 रु प्रतिबोरी की वृद्धि किया गया था और आज एक बार फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव और प्रदेश में नगरी निकाय चुनाव के पहले सीमेंट कंपनियों ने 50 रु प्रति बोरी की वृद्धि कर दिया है जिसे भाजपा सरकार का मौन समर्थन है।प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नारा लगती है कि सबका साथ सबका विकास लेकिन उनके विकास एजेंडा में सिर्फ उद्योगपति है भाजपा सरकार का मूलकाम चंद उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाना है। अभी हाल ही में सरकार ने उद्योगपतियों को डीजल की खरीदी में प्रति लीटर साढे छह रुपए की छूट दिया है और सीमेंट के दाम बढ़ाने को मौन सहमति दिया है। जनता एक और महंगाई से पहले ही परेशान है दूसरी ओर भाजपा की सरकार ने जनता को मिलने वाले सारे रियातों को खत्म कर दिया है।

निंदा से परे इतिहास रचें : डॉ. डागर

रायपुर। कला साहित्य और समाज सेवा को समर्पित संस्था कौशल काव्य धारा क का उद्घाटन समारोह रायपुर के वृंदावन हाल में सोल्लास संपन्न हुआ। समारोह के अध्यक्ष सुविख्यात भाषाविद डॉ चितरंजन कर, मुख्य अतिथि छत्तीसगढ हिंदी साहित्य मंडल के अध्यक्ष आचार्य अमरनाथ त्यागी, तथा विशिष्ट अतिथियों में विख्यात साहित्यकार गिरीश पंकज, शासकीय कालेज गुढ़ियारी की प्राचार्या डॉ मधुलिका अग्रवाल ,डॉ माणिक विश्व कर्मा,डॉ विजय मिश्रा अमितऔर डॉ सुधीर शर्मा शामिल थे।आरम्भ में सरस्वती वंदना के पश्चात् साहित्य विभूतियां का स्वागत शाल, पुष्प माला, श्रीफल से किया गया। इसी क्रम में वैभव प्रकाशन से प्रकाशित डॉ. डागर रचित दो किताबें सफलता के सौ सूत्र तथा वंदनावली का विमोचन हुआ। इनके समीक्षक डॉ विश्वकर्मा ने मानव जीवन को सफल एवं समाजोपयोगी बनाने की दृष्टि से किताबों को उत्कृष्ट बताया।आगे विजय मिश्रा अमित ने कहा राष्ट्रीय प्रशिक्षण अकादमी दिल्ली के पूर्व निदेशक डॉ. डागर ने साहित्य के पथ पर नई डगरबनाई है। छत्तीसगढ़ के साहित्य को समृद्ध करने की यह सराहनीय पहल है।समारोह का अंतआभार प्रदर्शन सहित कौशल काव्य -धारा संस्था नव प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगी संकल्प के साथ हुआ।कार्यक्रम में मूर्धन्य कवियों ने कवितायें पढ़कर गोष्ठी में चार चांद लगाए।

भूपेश ने साधा विष्णु सरकार पर निशाना...

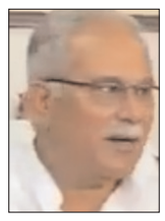

रायपुर। ओबीसी आरक्षण को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। सभी जिलों में आरक्षण की प्रक्रिया पूरी हो गई है और आरक्षण की सूची सामने आने के साथ ही इस पर राजनीति गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस मामले में राज्य सरकार पर निशाना साधा है। भूपेश बघेल ने इसे विष्णु के सुशान में बड़ा अन्याय करार दिया है। बता दें कि प्रदेश के 33 में से एक भी जिला पंचायत अध्यक्ष का पद ओबीसी को नहीं मिला है। 33 में से 16 जिला पंचायत एसटी और 5 एससी के हिस्से में गया है। वहीं, बाकी 13 जिला पंचायत सामान्य वर्ग के खाते में गया है। इसी को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व सीएम ने कहा कि जैसा कि मैंने शंका ज़ाहिर की थी उसी के अनुरूप जिला पंचायत में ओबीसी के लिए एक भी सीट आरक्षित नहीं है। यह पचास प्रतिशत आबादी वाले ओबीसी समुदाय के साथ विष्णु के सुशासन का बड़ा अन्याय है।पूर्व सीएम ने सोशल मीडिया में पोस्ट किया है कि आख़िर वही हुआ जिसकी आशंका मैंने व्यक्त की थी। पूरे प्रदेश में एक भी ज़िले में अब पिछड़े वर्ग के ज़िला पंचायत अध्यक्ष के लिए पद आरक्षित नहीं होगा। जिस प्रदेश में लगभग पचास प्रतिशत आबादी पिछड़े वर्ग की है।

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया 2025

पहली बार होगा आयोजन, 15.66 करोड़ होगी इनाम की राशि

रायपुर। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया ने 2025 सीजन के पहले आधे हिस्से के लिए एक आकर्षक और रोमांचक शेड्यूल की घोषणा की है. टाटा स्टील क्क्त्रञ्जढ्ढ सीजन की शुरुआत 11 फरवरी को टाटा स्टील क्क्त्रञ्जढ्ढ प्लेयरस चैंपियनशिप प्रस्तुत की जाएगी जो कोलकाता के टॉलिगंज क्लब में होगी. इसके बाद सीजन के पहले आधे हिस्से में फरवरी से लेकर अप्रैल तक 11 लगातार सप्ताहों में गोल्फ की गजब की प्रतियोगिताएं होंगी, जिसमें कुल ?15.66 करोड़ की पुरस्कार राशि (भारतीय ओपन को छोड़कर) दी जाएगी.

छत्तीसगढ़ ओपन गोल्फ चैंपियनशिप (पुरस्कार राशि- ?1 करोड़, स्थल- फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट, नया रायपुर)

पीजीटीआई इनविटेशनल (पुरस्कार राशि- 1.5 करोड़, स्थल- जयपी ग्रीन्स गोल्फ रिजॉर्ट, ग्रेटर नोएडा)इंडोरोमा ओपन गोल्फ चैंपियनशिप (पुरस्कार राशि- 2 करोड़, स्थल- कलहार ब्लूज एंड ग्रीन्स, अहमदाबाद)

कैलेंस ओपन (पुरस्कार राशि- 1 करोड़, स्थल- दिल्ली एनसीआर)नए इवेंट्स का आयोजन नई टाइटल स्पॉन्सरशिप के तहत किया जाएगा, जिनमें छत्तीसगढ़ सरकार, इंडोरोमा वेंचर्स (दुनिया के प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादक) और कैलेंस (एक एंड-टू-एंड टेक्नोलॉजी कंसल्टिंग फर्म जो अब रियल एस्टेट में भी कदम रख रही है) शामिल हैं.

पीजीटीआई ने अब तक भारत के 16 राज्यों, 2 संघ शासित प्रदेशों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में इवेंट्स आयोजित किए हैं. छत्तीसगढ़ ओपन के आयोजन के साथ, पीजीटीआई पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य में कदम रखेगा, जिससे यह भारत के 17 राज्यों में अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार करेगा.

कपिल देव -ग्रांट थॉर्नटन इनविटेशनल (पुरस्कार राशि-2 करोड़) तीसरे संस्करण के लिए वापसी करेगा और यह बेंगलुरु के प्रेस्टिज गोल्फशायर क्लब में आयोजित होगा.

तीन अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में डीपी वर्ल्ड टूर सह-प्रायोजित हीरो भारतीय ओपन (पुरस्कार राशि- स्ष्ठ 2.25 मिलियन) और चैलेंज टूर सह-प्रायोजित कोलकाता चैलेंज और दिल्ली चैलेंज (प्रत्येक में पुरस्कार राशि- स्ष्ठ 300,000) शामिल हैं.

पहले आधे हिस्से में एक और महत्वपूर्ण घोषणा क्क्त्रञ्जढ्ढ की नई साझेदारी है, जिसमें स्पोर्ट्स डेवेलपमेंट कंपनी विक्टोरियस एंटरप्राइजेज और उसका ब्रांड विक्टोरियस च्वाइस पीजीटीआई के नए टूर पार्टनर के रूप में शामिल हो रहा है.

दूसरी प्रमुख घोषणा पीजीटीआई के सेकंड टियर टूर की पुनः शुरुआत है, जो 5 साल बाद पीजीटीआई ने एंड गेन इवेंट्स के रूप में होगा. 2025 की पहली तिमाही में 3 पीजीटीआई ने एंड गेन इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक इवेंट की पुरस्कार राशि 20 लाख होगी।

8वीं एमएमए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छग ने 8 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदक जीते, मप्र रहा प्रथम

रायपुर। मध्यप्रदेश के धार में 8 से 11 जनवरी तक आयोजित 8वीं एमएमए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 8 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदक जीते, जबकि पहला स्थान टीम मध्य प्रदेश ने 9 स्वर्ण पदकों के साथ हासिल किया। 15 पदकों के साथ छत्तीसगढ़ की टीम उपविजेता रही और प्रतियोगिता समापन के वापस छत्तीसगढ़ लौटी जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। टीम में 20 खिलाड़ी, 3 अधिकारी और 1 टीम मैनेजर शामिल थे।

राज्य की प्रतिष्ठा को और बढ़ाते हुए डॉ. दिव्या नितिन सिंह, छत्तीसगढ़ एमएमए की महासचिव और एमएमए इंडिया नेशनल फेडरेशन की मेडिकल कमीशन चेयरमैन, ने इस चैंपियनशिप में कट टीम लीड के रूप में अपनी भूमिका निभाई। डॉ. सिंह भारत की पहली और एकमात्र आईएमएमएएफ इंटरनेशनल सर्टिफाइड कटवुमन हैं। सेंसई नितिन सिंह, एमएमए इंडिया के संयुक्त सचिव, आईएमएमएएफ इंटरनेशनल सर्टिफाइड रेफरी और जज, और रेफरी कमीशन के डिप्टी चेयरमैन ने इस चैंपियनशिप में टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर के रूप में अपनी भूमिका निभाई।टीम छत्तीसगढ़ को तीसरा एमएमए इंडिया नेशनल अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ मेजबान का पुरस्कार प्रदान किया गया। यह दूसरी बार है जब छत्तीसगढ़ को यह सम्मान मिला है।

इसके अलावा यह तीसरा लगातार वर्ष है जब छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है।छत्तीसगढ़ एमएमए एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री आलोक त्रिपाठी ने टीम छत्तीसगढ़ को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.